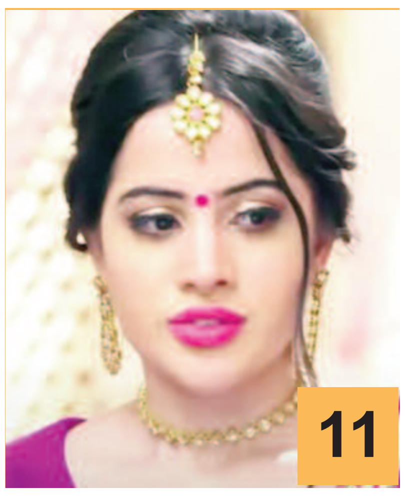

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 197 पटना (बिहार) सोमवार,19 मई 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

डेयरी उद्योग को मिलेंगे सभी उपकरण, सहकारी यूनिवर्सिटी पर भी विचार : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अहमदाबाद में सहकारिता महासम्मेलन को संबोधित किया

अहमदाबाद,। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साइंस सिटी में आयोजित गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन सम्मेलन में शिरकत की। यहां अपने संबोधन में शाह ने सहकारी समितियों के सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना पर गंभीरता से विचार कर रही है। गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने बताया कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी शुरूआत भारत से हुई है। उन्होंने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सहयोग से समृद्धि का नारा दिया है और गुजरात में इस विचार को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी हम सबकी है। गृहमंत्री ने कहा कि सहकारी आंदोलन को सफल बनाने के लिए जागरूकता, तकनीकी नवाचार और संगठनों के आपसी सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक सहकारी सदस्य और संस्था का जिला सहकारी बैंक में खाता होना चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि गुजरात को सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनना चाहिए। डेयरी क्षेत्र के लिए उपकरणों की घोषणा गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संगठनों के माध्यम से डेयरी क्षेत्र

को सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराएगी, और इस प्रयोग की शुरूआत गुजरात से की जाएगी।

गुजरात दौरे का शेष कार्यक्रम

कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री मेहसाणा रवाना हुए, जहां वे दो कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद शाम को वापस अहमदाबाद लौटेंगे। अहमदाबाद में वे 1692 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, और शाम 6 बजे कॉर्पोरेशन प्लॉट में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले शाह ने शनिवार को गांधीनगर में 1100 करोड़ रुपये की 78 परियोजनाओं का लोकार्पण किया था।

डबल इंजन सरकार का एक इंजन अपराध में, दूसरा भ्रष्टाचार में लिप्त'; तेजस्वी यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

मुज्जफरपुर :बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून-व्यवस्था और सरकार की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला है। मुजफ्फरपुर के क्लब परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में एक इंजन अपराध में लगा है, जबकि दूसरा भ्रष्टाचार में। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि अब उनसे बिहार नहीं संभल रहा, मानो वे अचेत अवस्था में चले गए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। राज्य में ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब हत्या, लूट, बलात्कार या डकैती की घटना न होती हो। खासकर मुजफ्फरपुर अपराध का केंद्र बन चुका है और सरकार तमाशबीन बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार सिर्फ मलाई खाने में लगी है। एक इंजन अपराध को बढ़ावा दे रहा है तो दूसरा भ्रष्टाचार में डूबा है। इन लोगों से अब बिहार नहीं चल रहा, फिर भी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

तेजस्वी यादव ने बीजेपी के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा पर भी तीखा तंज कसते हुए कहा कि डिप्टी सीएम की अपनी ही पार्टी में कोई हैसियत नहीं है। उनके निदेर्शों और बयानों का कोई असर नहीं होता। बीजेपी में भी उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता। दरभंगा में राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर को लेकर भी तेजस्वी यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विपक्षी नेता के खिलाफ केवल इसलिए एफआईआर की गई, क्योंकि उन्होंने दलित और महादलित छात्रों से संवाद किया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और सरकार की मानसिकता को दशार्ता है।

एक नजर

विक्रमशिला में फिर से गूंजेगा प्राचीन ज्ञान का स्वर

संवाददाता द्वारा

भागलपुर :भारत के इतिहास में बिहार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। यह प्रदेश न केवल बौद्ध और जैन धर्म का उद्गम स्थल रहा है, बल्कि मौर्य साम्राज्य जैसे विश्व के पहले संगठित साम्राज्य की जन्मभूमि भी है। चाणक्य, लोकतंत्र की अवधारणा और ज्ञान की परंपरा ने यहीं से जन्म लिया। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक फैलाया। हालांकि नालंदा में पुनः विश्वविद्यालय की स्थापना हो चुकी है, लेकिन विक्रमशिला को अभी भी उसके गौरवशाली अतीत के अनुरूप पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह बात नेशनल मेरिटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स, लोथल के संस्थापक, पूर्व महानिदेशक और डेक्कन कॉलेज डीम्ड यूनिवर्सिटी (पुणे) के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वसंत शिंदे ने विक्रमशिला महाविहार (कहलगांव, भागलपुर) के भ्रमण के बाद अमर उजाला से खास बातचीत में कही। प्रो. शिंदे ने कहा, यदि विक्रमशिला में फिर से विश्वविद्यालय की स्थापना होती है, तो प्राचीन तंत्र शास्त्र की शिक्षा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पुनः शुरू किया जा सकता है। ब्लैक मैजिक कहे जाने वाले कई तंत्रविद्या वास्तव में विशुद्ध विज्ञान हैं, जिन्हें एक बार फिर से विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि विक्रमशिला को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाता है, तो ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक शिक्षा का संगम पर्यटन को भी नई गति देगा। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और आधारभूत संरचनाओं का भी विकास होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विश्वविद्यालय स्थापित होता है, तो पुरातात्विक महत्व की उस जगह पर अनुसंधान और उत्खनन की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। इससे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को और गहराई से रिसर्च करने का अवसर मिलेगा।

प्रो. शिंदे ने बताया कि ऐतिहासिक प्रमाणों से यह तो सिद्ध हो चुका है कि तिब्बत के विद्वान विक्रमशिला आया करते थे, लेकिन यह भी संभव है कि म्यांमार, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया और वियतनाम जैसे बौद्ध देशों से भी लोग यहां आए हों। यदि यहां नालंदा की तरह समुचित उत्खनन किया जाए तो इन बातों के ठोस प्रमाण मिल सकते हैं।

कांग्रेस की घटिया राजनीति और राष्ट्रविरोधी सोच', गिरिराज सिंह

संदीप कुमार

बेगूसरायः बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए उस पर 'घटिया राजनीति' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब ऐसी पार्टी बन गई है जो देशहित में कोई बात नहीं करती, बल्कि सिर्फ नकारात्मक राजनीति करती है। शशि थरूर के एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने पर कांग्रेस की आपत्ति को उन्होंने 'अंदरूनी कलह' का संकेत बताया और कहा कि इससे साफ होता है कि कांग्रेस में अंदरूनी लोकतंत्र का अभाव है। गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा भारत की छवि को खराब करने की कोशिश करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं को देश के हितों से कोई लेना-देना नहीं है, वे केवल नकारात्मक बयानबाजी करके भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बदनाम करते हैं। थरूर जैसे वरिष्ठ नेता के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने पर सवाल उठाना कांग्रेस की राजनीतिक संकीर्णता को दशार्ता है। तुर्की के बहिष्कार के मुद्दे पर गिरिराज सिंह ने साफ कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश बन चुका है और जो देश उसका समर्थन करेगा, वह भारत का मित्र नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, 'भारत की सेना ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवाद का सामना कैसे किया जाता है। पाकिस्तान को कोई भी देश अब बचा नहीं सकता।' इस संदर्भ में उन्होंने तुर्की की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि तुर्की यदि पाकिस्तान का साथ देता है, तो उसे भारत विरोधी ही माना जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि जब कोई देश भारत के शत्रु देश पाकिस्तान का समर्थन करता है, तो भारत की जनता का आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने तुर्की और ऐसे अन्य देशों के बहिष्कार की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि भारत की जनता अब यह समझ चुकी है कि देशहित में कौन खड़ा है और कौन सिर्फ राजनीति कर रहा है।

चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षाओं को नकार दिया

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

दरभंगाः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के पटना में पोस्टर छाए हुए हैं। इन पोस्टरों में उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की मांग की जा रही है। पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी 'स्वतंत्र पहचान' बनाए रखना चाहती है। चिराग पासवान ने खुद भी बिहार की राजनीति में आने की इच्छा जताई है। इन सभी बातों को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। अब चिराग पासवान ने दरभंगा में इन सवालों का जवाब दिया। चिराग पासवान ने सीएम पद के लिए अपनी दावेदारी को खुद खारिज कर दिया। दरअसल पटना के कई चौराहों पर चिराग पासवान के पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों पर कई नारे लिखे हैं जैसे- 'बिहार का उट चिराग चाहिए', 'बिहार कर रहा ताजपोशी का इंतजार', 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' और 'चिराग के स्वागत को बिहार है तैयार'। जब इन्हें लेकर चिराग पासवान ने सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 2025 में बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही एनडीए बिहार चुनाव लड़ेगा और जीत दर्ज कर सरकार बनाएगा। इसके पहले दरभंगा पहुंचे चिराग पासवान का जोरदार स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष देवेंद्र झा के नेतृत्व में डॉ. इरशाद आलम और डॉ. मुन्ना खान ने पारंपरिक पाग, चादर और माला पहनाकर उनका सम्मान किया। चिराग पासवान दरभंगा के एक निजी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। इस अवसर पर चिराग पासवान ने 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव और मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही चचाओं पर विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट कहा, '2025 में बिहार में मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगली सरकार एनडीए गठबंधन की होगी और उसका नेतृत्व नीतीश कुमार ही करेंगे। चिराग पासवान ने आगे कहा कि बिहार में एनडीए का नेतृत्व फिलहाल नीतीश कुमार कर रहे हैं और भविष्य में भी वही करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से नीतीश कुमार ही आगामी विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। चिराग ने कहा, 'नीतीश कुमार की सोच बिहार के विकास की है, और मेरे प्रधानमंत्री जी सोच वाली सरकार का नेतृत्व वही करेंगे।' दरभंगा दौरे के दौरान चिराग पासवान ने पटना में उनके मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में लगाए गए पोस्टर और होर्डिंग पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस तरह की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी कोई दावेदारी नहीं है। एनडीए पूरी तरह से नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे बढ़ेगा।

गोली मार दीजिए लेकिन हम जाएंगे जरूर', प्रशांत किशोर की एंट्री पर रोक, सियासी बवाल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नालंदाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह क्षेत्र में प्रवेश को लेकर मचे सियासी घमासान ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया जब जन सुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर को कल्याण बीघा गांव में प्रवेश से पहले ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने रोक दिया। इस पर नाराजगी जताते हुए किशोर ने कहा, ह्लक्या अब मुख्यमंत्री के गांव जाने के लिए भी अनुमति लेनी पड़ेगी? ये पूरी तरह से गैर-लोकतांत्रिक है। प्रशांत किशोर हाल ही में नीतीश कुमार के गृह क्षेत्र, नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड अंतर्गत कल्याण बीघा गांव में जन संवाद और हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत करने वाले थे। उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों की घोषणा करते हुए कहा था कि वह घर-घर जाकर यह जानने का प्रयास करेंगे कि बिहार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत किशोर शनिवार को कल्याण बीघा पहुंचने वाले थे, लेकिन गांव से कुछ दूरी पर ही उन्हें प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस द्वारा रोक दिया गया। प्रशांत किशोर ने बताया कि गांव तक पहुंचने से पहले कहीं भी

किसी ने नहीं रोका, पर मुख्यमंत्री के गांव में प्रवेश से पहले ही रोक लग गई। उन्होंने गुस्से में कहा, ह्लयदि हम जबरदस्ती करना चाहें तो हमें गिरफ्तार कर लीजिए, गोली मार दीजिए, लेकिन हम गांव जरूर जाएंगे। यह कोई अपराध नहीं कि हम गरीबों से पूछें कि उन्हें योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। पुलिस की रोक के विरोध में किशोर ने यह भी कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है और प्रशासन सत्ता के दबाव में काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नहीं चाहते कि जनता की असल स्थिति सामने आए। ह्लनीतीश कुमार नहीं चाहते कि उनकी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों का असली चेहरा जनता के सामने आए। इसलिए हमें गांव में जाने से रोका जा रहा है। लेकिन हमारी आवाज को कोई दबा नहीं सकता,ह्व प्रशांत किशोर ने स्पष्ट लहजे में कहा।

मधेपुरा में आंधी-तूफान और ठनका से चार लोगों की मौत, कई मवेशी और मकान क्षतिग्रस्त; जानें

संवाददाता द्वारा

कोसी :मधेपुरा जिले में रविवार को अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने और तेज आंधी-तूफान की वजह से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो किसान, एक बुजुर्ग और एक महिला शामिल हैं। वहीं, एक किशोरी झुलसकर घायल हो गई है, जिसका इलाज निजी क्लिनिक में चल रहा है। घटनाओं में कई मवेशियों की भी मौत हुई है, जबकि कई मकानों को नुकसान पहुंचा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों किसान दोपहर लगभग तीन बजे मक्के की फसल को ढंकने खेत में गए थे। अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, तो वे पास के एक घर में शरण लेने लगे। इसी दौरान उन पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने उन्हें इलाज के लिए जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। सुभाष यादव पांच बेटियों और एक बेटे के पिता थे। उनकी दो बेटियों की शादी हो चुकी थी, जबकि सबसे छोटा बेटा मात्र पांच साल का है। संजय कुमार यादव के भी दो बेटे हैं। घटना की सूचना मिलते ही शंकरपुर थानाध्यक्ष रोशन कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेजा गया। सिंहेश्वर प्रखंड के रामपट्टी गांव में रविवार दोपहर आए तेज आंधी-तूफान के दौरान एक विशाल पीपल का पेड़ गिरने से बिंदेश्वरी यादव (70) की मौत हो गई। वे वार्ड संख्या 7 के निवासी थे और घटना के समय घर के बाहर मचान पर बैठे हुए थे। आंधी में पीपल का पेड़ उखड़कर उन पर गिर गया, जिससे वे उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी जान चली गई। पेड़ गिरने से बिंदेश्वरी यादव का तीन कमरों वाला मकान और उनके बेटे का घर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। श्रीनगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती पंचायत अंतर्गत चैनपुर वार्ड संख्या 2 की रहने वाली सोफिया खातून (35) रविवार दोपहर बाद मवेशियों के लिए चारा लेकर खेत से घर लौट रही थीं। उसी दौरान बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके साथ मौजूद रजिया खातून (15) झुलस गईं, जिन्हें स्थानीय निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है।

बाइक व जेसीबी की टक्कर में बाइक बनी आग का गोला, घटना में युवक की मौत

संवाददाता द्वारा

मुंगेर :बरहट थाना क्षेत्र के मलयपुर-लक्ष्मीपुर मुख्य मार्ग बखारी चौक के पास रविवार की दोपहर बाइक और जेसीबी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक जेसीबी से टकराते ही जलकर राख हो गई और आग का गोला बन गई। इस घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के एकडरवा गांव निवासी राजकुमार यादव, पिता योगेंद्र यादव के रूप में की गई है। बताया जाता है कि राजकुमार यादव पल्सर बाइक से मलयपुर की ओर जा रहे थे, तभी बखारी चौक के पास एक जेसीबी ने बाइक में टक्कर मार दी, जिसके बाद बाइक की टंकी और पहिये में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाके के साथ ही बाइक में आग लग गई और कुछ ही देर में पूरी बाइक जलकर राख हो गई। हादसे में राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद बरहट थाना अध्यक्ष कुमार संजीव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि वह पेशे से ट्रक ड्राइवर था। ट्रक चलाकर घर आया था, पत्नी की तबीयत खराब थी और उसे दिखाने के लिए जमुई आया था। जमुई में ही पत्नी और मां को छोड़ कर वो वापस आ रहा था। तभी बखारी गांव के पास एक जेसीबी वाले ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

भारत ने आतंकवाद को दिया करारा जवाब, दुनिया को दिया संदेश : उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रहित, सुरक्षा और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब वह समय नहीं रहा जब हम अपने हितों के विरोधी देशों को यात्रा या आयात के माध्यम से सशक्त करते रहें। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, अब समय आ गया है जब हममें से प्रत्येक को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। हम अब उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए यात्रा या आयात के माध्यम से अपनी भागीदारी के कारण खर्च नहीं कर सकते जो संकट के समय हमारे खिलाफ खड़े हो जाते हैं। हर व्यक्ति राष्ट्र की सुरक्षा में मदद करने के लिए सशक्त है और हम व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य, विशेष रूप से सुरक्षा के मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें हमेशा एक बात ध्यान में रखनी चाहिए, और वह है: 'राष्ट्र प्रथम'। हर चीज को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण के आधार पर देखा जाना चाहिए।

मिनटों की आंधी-बारिश से हाहाकार : दिल्ली-एनसीआर में पेड़ और खंभे गिरे, रैपिड रेल की शेड उड़ी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाकों में रविवार को मौसम पूरी तरह से बदल गया। आसमान में अचानक से काले बादल छा गए। जिससे साथ तेज गर्म हवाएं चलने लगी। मिनटों की आंधी और बारिश से कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ है। आज तेज आंधी के कारण न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन की टिन की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सावधानी के तौर पर न्यू अशोक नगर स्टेशन पर परिचालन तत्काल रोक दिया गया है। घटना के संबंध में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जांच की जा रही है। भविष्य में इस तरह की घटना को रोकने के लिए आवश्यक सुधार कार्य आरंभ कर दिए गए हैं। न्यू अशोक नगर स्टेशन पर सेवाएं जल्दी निर्देश तक बंद रहेंगी। वहीं नोएडा में भारी बारिश से शहर के कुछ हिस्सों में पेड़ और खंभा गिरने से गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। सड़कों पर जाम लग गया। नोएडा में दोपहर के समय नोएडा और आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से परेशान लोग जैसे ही राहत की उम्मीद छोड़ने लगे, दोपहर बाद मौसम ने करवट ले ली। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। मौसम के इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और माहौल खुशनुमा हो गया।

मंत्री आशीष सूद ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए, बुजुर्गों को 10 लाख तक का इलाज मिलेगा फ्री

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड मिलने लगे हैं। इसी कड़ी में आज दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा, 'आयुष्मान कार्ड का वितरण मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। हमने अब तक हजारों लोगों के कार्ड बनाए हैं। इसके साथ ही हम अस्पतालों की सूची भी उपलब्ध करा रहे हैं ताकि वे उन अस्पतालों में जाकर इसका लाभ उठा सकें। हम उन्हें इसके बारे में जागरूक भी कर रहे हैं।' आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पर उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री का यह बहुत सराहनीय प्रयास है। पाकिस्तान की नापाक हरकतों और आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचेगा और पाकिस्तान की गलत सूचनाओं का मुकाबला करने का काम इन प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से होगा।'

जलेबी में मिली फफूंदी: 12 साल की बच्ची बीमार

नई दिल्ली। गोविंदपुरम स्थित एक मिठाई की दुकान से पनीर की जलेबी खाने के बाद एक 12 वर्षीय बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। बच्ची ने जलेबी खाने के तुरंत बाद उल्टी कर दी, जिसके बाद उसके परिजन उसे लेकर तुरंत चिकित्सक के पास पहुंचे। प्राथमिक जांच में पता चला कि जलेबी में फफूंदी लगी हुई थी। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और दुकान से जलेबी के नमूने जांच के लिए भेजने के साथ ही दूषित जलेबी नष्ट कराई है। स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) भोजपुर क्षेत्र में तैनात राहुल शिवाच गोविंदपुरम में रहते हैं। वह शनिवार की शाम एनडीआरएफ रोड स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान से पनीर वाली जलेबी खरीदकर घर ले गए थे। घर पहुंचने पर उनकी बेटी ने जलेबी खाई, तो उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी होने लगी और बेचैनी महसूस हुई।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति को अपनी हाल ही में लॉन्च की गई पुस्तक ''जनता की कहानी मेरी आत्मकथा'' की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने एक बयान में कहा कि यह बहुत खुशी और सम्मान का क्षण था क्योंकि राष्ट्रपति ने पुस्तक के कुछ पन्नों को विनम्रतापूर्वक पढ़ा और आत्मकथा में शामिल विषयों पर अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जो मेरे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति सेवा का वर्णन करती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों के

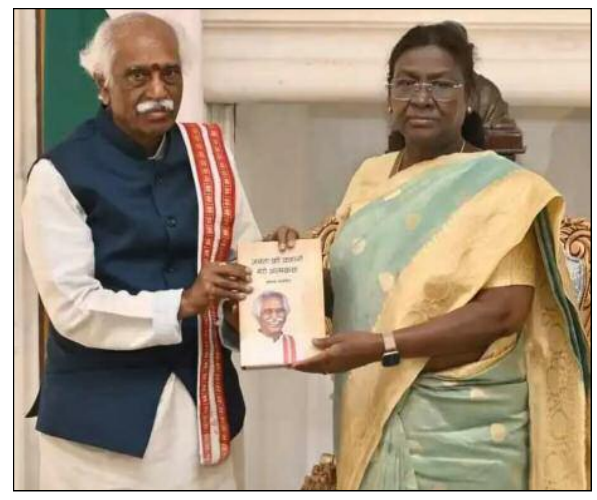

बारे में जानकारी ली, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में विशेष रुचि थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने उन्हें राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और महिला सशक्तिकरण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे विकास के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा में अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया। राष्ट्रपति ने हरियाणा में लड़कियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से खेल क्षेत्र के बारे में, जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल दत्तात्रेय की सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में राज्य द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण की सराहना की।

विदेश मंत्री के बयान पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के हालिया बयान को आधार बनाते हुए, कहा कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था, ...ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे....। इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान ने सैन्य हस्तक्षेप न करने की भारत की 'अच्छी सलाह' को नहीं माना। वहीं, 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से नुकसान पहुँचाया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता

चलता है कि किसे (पाकिस्तान) नुकसान हुआ है। इससे यह भी स्पष्ट है कि कौन (पाकिस्तान) गोलीबारी बंद करना चाहता था।

दिल्ली के महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से तीन बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेंसिक सेल ने एक विशेष अभियान के दौरान तीन अवैध रूप से भारत में रह रही बांग्लादेशी महिलाओं को महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इनमें से एक महिला खुद को ट्रांसजेंडर बताकर पश्चिम बंगाल की निवासी के रूप में इलाके में पहचान बना चुकी थी और सड़क किनारे मोमोज की रेहड़ी लगाकर खुद को छुपा रही थी। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि उनके पास से दो स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। इसमें प्रतिबंधित आईएमओ एप इंस्टॉल था, जिसका उपयोग वे बांग्लादेश में अपने परिजनों से बातचीत के लिए करती थीं। इसके अलावा एक की-पैड मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक सेल की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों में से दीपा नाम से जानी जाने वाली एक युवती ने फेसबुक पर एक भारतीय युवक से दोस्ती की थी। बातचीत बढ़ने पर वह अवैध रूप से बांग्लादेश से सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई। युवक ने उसे पश्चिम बंगाल में रिसीव किया और फिर वे दिल्ली में एक किराए के मकान में साथ रहने लगी। पड़ोसी उसे पश्चिम बंगाल की स्थानीय युवती मानते थे। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान अलीना (22), तंजीना रहमान उर्फ दीपा (22) और सुहान खान (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों महिलाओं को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एफआरआरओ आरके पुरम को सौंप दिया है। डीसीपी के अनुसार मई 2025 में सोशल मीडिया पर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का विश्लेषण शुरू किया गया। एक फेसबुक रील के जरिए उन्हें महेन्द्रा पार्क इलाके की एक गली की पहचान हुई। इसमें एक आइसक्रीम रेहड़ी को दिखाया गया था। उसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने करीब 50 गलियों की तलाशी ली और आखिरकार संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। 'दीपा' नाम से रह रही युवती से पूछताछ के बाद दो अन्य बांग्लादेशी महिलाओं की भी पहचान हुई और उन्हें हिरासत में लिया गया। शुरू में दोनों महिलाओं ने खुद को भारतीय नागरिक बताने की कोशिश की, लेकिन मोबाइल फोन की जांच और पूछताछ में सच्चाई सामने आ गई। तीनों ने यह कबूल किया कि वह बेनापुर बॉर्डर के रास्ते से भारत में आई। यहां वे अपने-अपने पुरुष साथियों के साथ लिव-इन में रह रही थीं।

सरोजिनी नगर मार्केट में आधी रात को चला एनडीएमसी का बुलडोजर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सबसे चर्चित और सस्ती मार्केटों में शामिल सरोजिनी नगर मार्केट में शनिवार-रविवार रात 12.30 बजे एनडीएमसी ने बुलडोजर चलाया। एनडीएमसी की यह कार्रवाई अवैध रूप से बनाई दुकानों पर हुई है। वहीं, एनडीएमसी की इस कार्रवाई पर दुकानदारों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। दुकानदारों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के वैध दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि आधी रात को एनडीएमसी की ओर से तोड़फोड़ की गई। इस कार्रवाई में बड़ी दुकानों और मिनी मार्केट्स को नुकसान पहुंचा है, यहां तक कि छतें भी तोड़ दी गई हैं। आधी रात को यह कैसी कार्रवाई हो रही है? एनडीएमसी को कोई कार्रवाई करनी थी तो नोटिस दे सकते थे। लेकिन, बिना नोटिस के यह कार्रवाई कितनी ठीक है? एनडीएमसी की इस कार्रवाई के विरोध में हम रविवार को मार्केट बंद रखेंगे। वहीं, अन्य दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से जो कार्रवाई की गई, उससे हमारी दुकानों को नुकसान हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से इस कार्रवाई में करीब 500 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया है। बता दें कि सरोजिनी नगर मार्केट दिल्ली की सबसे पुरानी मार्केट में से एक है। यहां पर दिल्ली ही नहीं बल्कि दिल्ली के बाहर से भी लोग कपड़े की खरीददारी करने के लिए पहुंचते हैं। शनिवार-रविवार को यहां पर लोगों की भारी भीड़ होती है। यहां पर नियमित दुकानों की आड़ में पटरी पर भी भारी संख्या में

दुकानें संचालित होती हैं, जिससे यहां पर भीड़-भाड़ काफी ज्यादा होती है। मार्केट एसोसिएशन की ओर से पटरी पर सजने वाली दुकानों के खिलाफ कई बार शिकायत भी की गई। लेकिन, पटरी पर लगने वाले बाजार कम होने की जगह इनकी तादाद बढ़ी। वहीं, एनडीएमसी के हवाले से बताया गया है कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एनडीएमसी की कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे का निरीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे के 210 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को तेजी से पूरा करने और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

एक्सप्रेस वे की विशेषताएं:

- लंबाई और लागत: एक्सप्रेस वे की लंबाई 210 किलोमीटर है, जिसकी निर्माण लागत लगभग 12,000 करोड़ रुपये है।
- गति और यात्रा समय- एक्सप्रेस वे की निर्धारित गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जिससे दिल्ली से देहरादून तक की यात्रा का समय मौजूदा 6.5 घंटे से घटकर

2.5 घंटे रह जाएगा।

- रूट: एक्सप्रेस वे अक्षरधाम मंदिर दिल्ली से शुरू होकर बागपत, बड़ौत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर से होकर गुजरेगा और देहरादून में समाप्त होगा।
- पर्यावरण संरक्षण: एक्सप्रेस वे के विकास के दौरान राजाजी राष्ट्रीय पार्क में 12 किलोमीटर लंबा एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित किया गया है।

मंत्री के निर्देश:

- हर्ष मल्होत्रा ने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।
- परियोजना का शेष भाग 2-3 महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।

एक्सप्रेस वे का महत्व:

- एक्सप्रेस वे दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने में सहायक होगा।
- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे और अन्य कनेक्टिंग राजमार्गों पर भार कम होगा।
- एक्सप्रेस वे उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के हिल स्टेशनों और तीर्थ स्थलों से संपर्क बढ़ाएगा।

दिल्ली के पहाड़गंज में दीवार गिरने से हादसा, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, कई लोग मलबे में फंस गए। दरअसल, एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट का काम चल रहा था। इसी दौरान दीवार गिर गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। यह घटना शाम करीब 6:05 बजे के आसपास आरा कंसा रोड, कृष्णा होटल के पास हुई। घटना के बाद बताया गया कि कुछ लोग मलबे में फंसे हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। शाम 6:35 बजे जानकारी मिली कि बेसमेंट के निर्माण के दौरान पास की दीवार गिर गई, जिससे तीन लोग मलबे में दब गए। उन्हें तुरंत बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अब तक की जानकारी में तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दो लोग घायल हैं। इस घटना के बाद रेस्क्यू

ऑपरेशन जारी है। प्रशासन और राहत टीम मौके पर मौजूद हैं, मलबा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में पिछले महीने एक इमारत ढह गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली के मुस्तफाबाद में 19 अप्रैल को इमारत ढहने से 11 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए थे।

केंद्र का अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश

एजेंसी

रांची। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है, जिसमें झारखंड में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में यह भी निर्देश दिया कि है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या को चिन्हित करने के लिए राज्य के हर जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करें। उसके बाद एक होल्डिंग सेंटर बनाएं। दरअसल, झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों की पहचान कर उन्हें समूह में देश से बाहर भेजने की कवायद शुरू की गई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को देश से बाहर भेजने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए प्रोसीजर बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी किए गए पत्र में लिखा गया है कि केंद्र के पास संघीय पुलिसिंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सभी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें

चिन्हित जगह पर रखें और फिर डिपोर्ट की कार्रवाई शुरू करें। चिन्हित प्रवासियों के मूवमेंट पर रोक लगाना राज्य सरकार के अधीन होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में यह भी बताया गया है कि अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए एक होल्डिंग सेंटर का निर्माण करें। होल्डिंग सेंटर में ही चिन्हित किए गए बांग्लादेशी और रोहिंग्या को लाकर रखना है। होल्डिंग सेंटर में जांच पड़ताल पूरी करने के बाद उन्हें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को सौंपा जाएगा। इसके बाद संबंधित देश को उनके नागरिकों को सौंपा जाएगा। इस दिशा में कार्रवाई के लिए केंद्र की ओर से पत्र मुख्य सचिव के स्तर से पुलिस मुख्यालय और सभी जिलों को भी भेजा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह आदेश दिया है कि यदि संदिग्ध बांग्लादेशी या म्यांमार का नागरिक (रोहिंग्या) खुद को भारतीय नागरिक होने का दावा करता है और वह किसी अन्य राज्य में रह रहा हो, तो संबंधित राज्य सरकार गृह सचिव और जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को, जहां से संदिग्ध व्यक्ति आने का दावा करता है।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र की सेवा में अनेक वर्षों तक काम करने की कामना करती हूं।पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, हमारे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शुभकामनाएं। उन्हें हमारे संविधान का बहुत ज्ञान है, जो एक अग्रणी वकील के रूप में उनके वर्षों के काम से झलकता है। उन्होंने राज्यसभा की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। समाज सेवा के प्रति उनकी रुचि भी बहुत अधिक है। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं। दूसरे पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें उनके राजनेता जैसे दृष्टिकोण और जनसेवा के प्रति जुनून के लिए व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। कई मुद्दों पर उनकी बुद्धिमत्ता और अंतर्दृष्टि महान शक्ति का स्रोत है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय संविधान के बारे में उनके अद्भुत ज्ञान के लिए जाने जाते हैं, उनकी बुद्धिमत्ता और दृढ़ता की भी प्रशंसा की जाती है। हमारा राष्ट्र उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शिता के लिए आभारी है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें।

भारतीय सेना ने किया भारत-पाक के बीच सीजफायर खत्म होने की खबर का खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने उन अफवाहों का खंडन कर दिया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर खत्म हो रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि यह महज सब अफवाह है और सीजफायर खत्म नहीं हो रहा है। भारतीय सेना ने कुछ मीडिया हाउस के इस दावे का खंडन किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर रविवार को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, भारतीय सेना ने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर डीजीएमओ स्तर की वार्ता पर भी स्पष्टीकरण दिया है। भारतीय सेना की ओर से रविवार को कहा गया है कि कुछ मीडिया हाउस में यह रिपोर्ट चल रही है कि आज भारत-पाक सीजफायर खत्म हो रहा है। जबकि, ऐसा नहीं है। ऐसी खबरें पूर्ण रूप से गलत हैं। वहीं, डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) स्तर की बातचीत पर सेना ने कहा कि आज कोई बातचीत निर्धारित नहीं की गई है। सेना ने साफतौर पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 12 मई को भारत-पाक के डीजीएमओ के बीच जो सीजफायर को लेकर बातचीत

हुई, उसमें कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं की गई है। यानी यह अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ज्ञात हो कि भारत-पाक के सीजफायर को लेकर कुछ मीडिया संस्थानों की ओर से खबरें चलाई गई कि आज भारत-पाक के डीजीएमओ स्तर की बातचीत होनी है और इसका मुख्य उद्देश्य भारत-पाक के सीजफायर खत्म होने को लेकर है। हालांकि, भारतीय सेना ने इन सभी खबरों को झूठा करार दिया है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाकर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। बॉर्डर से सटे शहरों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल दागे गए। लेकिन, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन और मिसाइल को हवा में ही नाकाम कर दिया। सेना ने पाकिस्तान की हर नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया।

पार्षदों को काम कराने के लिए बजट नहीं मिला, पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन - मुकेश गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली, । आम आदमी पार्टी (आप) को नगर निगम में बड़ा झटका लगा है। 15 निगम पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देते हुए पार्टी से नाता तोड़ लिया है। इन सभी पार्षदों ने एक नया राजनीतिक मंच बनाने का ऐलान किया है, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। इस्तीफा देने वालों में शामिल पार्षद मुकेश गोयल ने मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। मुकेश गोयल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हम आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर आए थे और उस समय हमें 250 में से 135 सीटें मिली थीं, लेकिन आज हमारी संख्या धीरे-धीरे घटकर 90 के आसपास पहुंच गई है। आखिर इसकी वजह क्या है? गोयल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद निगम पार्षदों की पूरी तरह से नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि हमने ढाई साल सत्ता में रहकर कोई काम नहीं किया। हमें कोई बजट नहीं मिला, संसाधन नहीं मिले। निगम पार्षदों को कोई फंड नहीं दिया गया। हमारे पार्षद हर तरफ से परेशान हैं। जब हम अपने क्षेत्र में जाते हैं, तो जनता सवाल करती है और हमारे पास जवाब नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन हो गया है और वरिष्ठ पार्षदों की कोई सुनवाई नहीं होती। साल में एक-दो बार बैठक होती है और उसमें भी पार्षदों को धमकाया जाता है कि जिसे जहां जाना है, चला जाए।बता दें कि हेमचंद, हिमानी जैन, रुनाक्षी शर्मा, उषा शर्मा, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार, मनीषा, सुमन समेत 15 पार्षदों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले पार्षदों ने अब एक नया तीसरा मोर्चा (थर्ड फ्रंट) बनाने का ऐलान किया, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन पार्षदों ने अपने फैसले की जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

मंडा पूजा के उपलक्ष्य पर मांडर प्रखंड के करगे गाँव मे जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मंडा पूजा के उपलक्ष्य पर मांडर प्रखंड के करगे गांव में जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कर्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला परिषद प्रतिनिधि रबूल अंसारी शामिल हुए। इस रगारंग कार्यक्रम में नाच गान का लोगो ने भरपूर आनंद उठाया। जागरण कर्यक्रम को सफल बनाने में मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष नीलांबर सिंह, सकलदीप सिंह, गौतम कुमार सिंह, शेती प्रसाद,साहू,आलमगीर आलम, इस्लाम अंसारी,अरविंद साहू,शमीम अंसारी,राजकुमार सिंह, दुर्गा चरण सिंह ,करगे पंचायत मुखिया चमरा उरांव एवं समिति के सभी सदस्य योगदान रहा।सांस्कृतिक कार्यक्रम का रात भर दर्शकों ने लुफ्त उठाया।

बोरियो विधानसभा विधायक ने किया सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

मंडरो: बोरियो विधायक धनंजय सोरेन ने झामुमो के जिलाअध्यक्ष अरुण सिंह व केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा के साथ रविवार को महादेववरन व बरतल्ला पंचायत में तीन महत्वपूर्ण योजनाओं का किया शिलान्यास। बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन रविवार को उत्तरी महादेववरन व नयाटोला गांव पहुंचे। उनके आगमन पर झामुमो कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उत्तरी महादेववरन में मां शीतला स्थान के सामने सड़क का शिलान्यास, नयाटोला गांव में आनंदी साह के घर पास सड़क का शिलान्यास, गैलेक्सी मैदान आंगनबाड़ी केंद्र समीप सड़क का शिलान्यास किया गया। वही विधायक धनंजय सोरेन ने कहा की ग्रामीणों की मांग पर योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सभी गांव में विकास की रोशनी पड़ रही है। मौके पर साहिबगंज जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा, उपमुखिया प्रतिनिधि राजेश राम, बड़तल्ला पंचायत सचिव हीरा यादव, धीरज चौधरी,विवेक यादव,आयुष राज मार्क,दिव्यांश हर्ष झा, बबलु कुमार, छोटू कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

ट्रेन से गिरकर एक युवक हुआ घायल, मिर्जाचौकी सरकारी अस्पताल में किया गया इलाज

मंडरो: मिजाचौकी रेलवे स्टेशन पर रविवार को करीब 4:45 बजे 53415 डॉन बर्दवान पैसेंजर ट्रेन से गिर कर एक युवक गंभीर रूम से घायल हो गया। घायल की पहचान मिक्की कुमार झा के रूप में हुई।बताया गया वही पीड़ित के द्वारा बताया गया कि हम तीन दोस्त कहीं से आ रहे थे और ट्रेन के गेट पर बैठे हुए थे और कैसे गिरे हमें पता नहीं चला। फिलहाल पीड़ित का मिजाचौकी सरकारी अस्पताल में इलाज किया गया ।वही इस घटना को लेकर आस पास के लोगों ने बताया कि युवक गेट पर बैठा था और अपना संतुलन खो कर ट्रेन से नीचे गिर गया। जिससे युवक जख्मी हो गया। इसकी सूचना रेलवे आरपीएफ को दी गई।जिसके बाद आरपीएफ जवान के द्वारा युवक को इलाज के लिए मिजाचौकी चिकित्सा केंद्र पहुंचाया गया।

तेज आंधी व बारिश से कई घरों के छप्पर के एस्बेस्टस उड़ कर क्षतिग्रस्त हो गये

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- प्रखंड के मुड़मा, मेशाल, सुरसा व मसमानो गांव में रविवार की दोपहर को तेज आंधी व बारिश से कई घरों के छप्पर के एस्बेस्टस उड़ कर क्षतिग्रस्त हो गये वहीं कई पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गये. इस दौरान वज्रपात भी हुआ जिससे मसमानो गांव में बदरुद्दीन अंसारी के एक दुधारु गाय की मौत हो गयी जबकि छेना उरांइन नामक एक 55 वर्षीया महिला घायल हो गयी जिसे इलाज के लिए मांडर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है. बताया जा रहा है कि दोपहर करीब दो बजे आंधी से मुड़मा गांव के बुधवा उरांव, लक्ष्मण उरांव, सूकरो उरांइन, मेशाल गांव के मजीद अंसारी, सलीम अंसारी मसमानो गांव के जसमुदीन अंसारी के घर का एस्बेस्टस उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया वहीं उरांव के घर में पेड़ गिरने से उसका घर क्षतिग्रस्त हो गया!

कांग्रेसियों ने देवघर में 21 मई को जिला स्तरीय रैली आयोजित करेंगे

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कांग्रेस का संविधान बचाओ अभियान तहत 6 मई को रांची में प्रदेश स्तरीय रैली की सफलता के बाद जिला स्तरीय रैली देवघर में 21 मई को निर्धारित किया गया है।इसे लेकर देवघर जिला कांग्रेस कमिटी की एक विशेष बैठक कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में बैठक के एजेंडे के साथ लिए गए निर्णय पर जानकारी देते हुए पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि आज कांग्रेस कार्यालय में देवघर जिला कांग्रेस कमिटी की इस विशेष बैठक में कांग्रेस के जिला पदाधिकारियों, अग्रणी मोर्चा संगठन, विभाग तथा प्रकोष्ठों, प्रखंड तथा नगर अध्यक्षों एवं प्रखंड पर्यवेक्षकों को बुलाया गया था । बैठक में रैली की सफलता को लेकर हर विंदू पर चर्चा की गई तथा निर्णय हुआ कि 21 मई को जिला स्तरीय निर्धारित संविधान बचाओ रैली एवं सभा को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी प्रारंभ कर दी जाए। जिला से लेकर पंचायत स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इस रैली में भाग लें इसके लिए पार्टी नेता,पदाधिकारी एवं प्रखंड अध्यक्ष काम करना शुरू कर दें। रैली ऐतिहासिक बनें इसके लिए व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जाएगा।, झंडा बैनर लगाए जायेंगें।साथ ही रैली में विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग शरीक हों इसके लिए आमंत्रण पत्र बांटे जाएंगें। रैली के माध्यम से संविधान बचाओ अभियान का मूल उद्देश्य हर घर एवं हर व्यक्ति तक पहुंचे। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने कहा कि 21 मई को निर्धारित संविधान बचाओ रैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए आज की बैठक में जो रणनीति बनाई गई,उस पर हमलोग सभी मिलकर काम करेंगें। इस रैली में देवघर जिला के नेता कार्यकर्ता एवं समर्थक भारी संख्या से भाग लेंगें।साथ ही मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश के प्रभारी के. राजू,सह प्रभारी सिरिवेला प्रसाद,प्रदेश अध्यक्ष

केशव महतो कमलेश,विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के साथ कांग्रेस के चारों मंत्री एवं वरिष्ठ नेतागण भाग लेंगें। वर्तमान में सभा स्थल के रूप में आर एन बोस लाईब्रेरी का चयन किया गया है। जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने बताया कि आज देश की जो हालात है इसमें भाजपा के केंद्र सरकार द्वारा हर रोज लोकतंत्र की हत्या किया जा रहा है। संविधान के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। संवैधानिक मूल्यों पर नष्ट किया जा रहा है। ऐसे में इस रैली के माध्यम से हमें जनसंदेश देने के साथ के इसे जन आंदोलन बनना मुख्य उद्देश्य है। राष्ट्र पिता बापू एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर के द्वारा देश को दिया गया संविधान तथा उनके सपनों का हिंदुस्तान को बचाना है। पहलगाम आतंकी हमले एवं ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा हमारे देश के नागरिकों पर हमला कर हमारी मां बहनों के सिंदूर को उजाड़ने का दुस्साहस का माकूल एवं कठोर जवाब देने के लिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं जननायक राहुल गांधी ने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया और कहा कि इस घड़ी में सारा विपक्ष सरकार के साथ है, भारतीय सेना के साथ है। इसके लिए जो भी सरकार निर्णय लेती है, उसमें हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा। भारत सरकार के निर्देश पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाया जाता है,हमारी सेनाओं के अदम्य के साहस एवं पराक्रम के सामने जब आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान धूल चाटने लगता है, ऐसे में अचानक सिज फायर की सूचना प्राप्त होती है और यह सूचना हमारे देश के प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री का नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट से पता चलता है कि हमारे कहने पर हिंदुस्तान और पाकिस्तान ने युद्ध विराम कर दिया। इसका श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति लेते हैं। यह क्षण देश के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक साबित हो रही है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बताएं कि आपने किन परिस्थितियों में अमेरिका के कहने पर सीजफायर किया गया, किस कारण अमेरिका के सामने अपने को सरेंडर किया, घुटने टेके। अगर सीजफायर हुआ तो किन शर्तों पर हुआ? यह पूरा देश जानना चाहता है। क्योंकि पूरा देश आक्रोश में है। इस दौरान प्रदेश सचिव नागेश्वर सिंह,अवधेश प्रजापति, नगर अध्यक्ष रवि केसरी,प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद राय,प्रदीप नटराज, हेमंत चौधरी,राजीव रंजन उर्फ गुलाब, डॉ सिराज अंसारी, सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय, सुभाष चंद्र मंडल, जिला पदाधिकारी मकसूद आलम,बमशंकर यादव, डॉ अनूप कुमार,रवि वर्मा,सुबोध कुमार सिंह,धर्मेंद्र सिंह,पीयूष झा,इम्तियाज शेख, सेवादल के ओम प्रकाश यादव, शाहबाज खान, पली झा,नूनू खान,अटल मिश्रा,अब्दुल गफ्फार अंसारी,अजय कृष्ण पंकज, प्रियांशु कुमार, शोएब अंसारी आदि मौजूद थे।

विश्व एड्स वैक्सीन दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - विश्व एड्स वैक्सीन दिवस पर एक कार्यशाला का आयोजन द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर महिलौंग मे संपन्न हुआ। मौके पर छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा मौजूद थे। इस कार्यशाला को हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर एस.के.निराला, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.एंटोनी किस्कू एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पल्लवी कौशल ने संबोधित किया। अपने संबोधन मे वक्ताओं ने कहा यह एक गंभीर जानलेवा बीमारी है जिसमें बॉडी का इम्यून सिस्टम बुरी तरह से प्रभावित हो जाता हैं यह बीमारी असुरक्षित यौन संबंध,एच.आई.वी.संक्रमित खून से दूषित सुई या सीरिंज से फैलता है।अभी तक इस गंभीर बीमारी की कोई वैक्सीन नहीं बन पाई है। इस

बीमारी के रोकथाम के लिए डॉक्टर,वैज्ञानिक,स्वास्थय कर्मी,स्वयंसेवक आदि काफी प्रयास कर रहें है उन्हें आज के दिवस मे सम्मानित कर हौसला बढ़ाना चाहिए। इसके पूर्व फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन हुआ जिसमें 79 मरीजों की फ्री जांच की उन्हें फ्री दवा भी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हॉस्पिटल के वरीय मार्केटिंग प्रबंधक समीर कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से अवकाश प्राप्त मेजर सीमा,डॉक्टर रोहित कुशवाह,सहित शांति खलखो, निशा रजक,दिवा पासवान, जुनिका एक्का,प्रियंका दास, अंजली रजवार,सोनाली खालखो,गुलनाज खातून, बुलबुल कुमारी,नजमा प्रवीण, गिरिबाला कुमारी,आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आजिविका समूह के मदद से तकनीकी खेती कर आत्मनिर्भर बन रही कोनिका दीदी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर प्रखण्ड स्थित सीतारामपुर गांव की कोनिका कोड़ाइन ने सागेन साकाम आजीविका सखी मंडल से जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रही है।* कोनिका दीदी 2021 में सखी मंडल से जुड़ी और 10- 10 रुपए करके प्रत्येक सप्ताह बचत कर समूह में आगे बढ़ी। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी अंतर्गत संचालित जापान इंटरनेशनल कॉपोरेशन एजेंसी (खक्ळअ) परियोजना से जुड़कर सूक्ष्म टपक सिंचाई यंत्र, बर्मी कंपोस्ट यूनिट और पॉली नर्सरी हाउस प्राप्त की। इनके आगे बढ़ने की ललक देखकर इन्हें रांची में सूक्ष्म टपक सिंचाई के माध्यम से प्रगतिशील किसानों के द्वारा किए जा रहे तकनीकी खेती का एक्सपोजर विजिट सह फील्ड प्रशिक्षण प्राप्त करने का मौका मिला और वहां से मार्गदर्शन प्राप्त कर

अपने 25 डिसमिल जमीन में कलश ऋ किस्म का तरबूज और ऊए्‌इ 1506 किस्म का खीरा की खेती की जिसकी लागत अबतक 12000 रु हुआ है जिसमें से दीदी ने 8 क्विंटल खीरा 40 रु प्रति ʻ के दर से और तरबूज 9.5 क्विंटल 20 रु प्रति ʻ के दर से बेच कर कुल 51,000 रु की आमदनी कर चुकी है। अभी फसल के अंत तक और कुल 30,000 रूपए आमदनी होने की अनुमान लगाई जा रही है। कोनिका कोड़ाइन दीदी कहती है खेती को विस्तार करते हुए अब सूक्ष्म टपक सिंचाई से 50 डेसिमल प्लॉट में मिर्च की खेती करने की योजना बनाई है। कोनिका दीदी समूह से जुड़ने के पूर्व गृहणी थी। समूह में जुड़ने के बाद तकनीकी खेती कर अच्छी आमदनी कर रही है। साथ ही अपने परिवार का भरण पोषण भी कर रही है और अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाने की योजना बना रही है। अपने संवरते जीवन से दीदी काफी खुश है दूसरे दीदियों को इस नए तकनीकी से खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है।

प्रवासी मजदूर लाभ योजना के तहत मृतक के परिजन को सौपा गया 50 हजार का चेक

श्रम अधीक्षक ने दिया चेक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-मृतक अजय सिंह के परिजन को श्रम विभाग के द्वारा 50 हजार का चेक प्रदान किया गया है।बताते चलें कि मृतक अजय सिंह की गुजरात के सूरत में मजदूरी करने के दौरान मौत हो गयी थी।जानकारी हो कि मृतक अजय सिंह देवीपुर प्रखंड के बारवा ग्राम का रहने वाला है ,वैसे तो इन्हें चेक प्रदान करने की परिक्रिया बीते शनिवार को ही पूरी हो गई थी किंतु किसी कारण बस मृतक के परिजन नहीं पहुंच पाए जिसके चलते मुवाबजे की चेक रबिवार को मृतक के परिजन को श्रम कार्यालय में श्रम

अधीक्षक शैलेन्द्र साह ने प्रदान किया।यह मुवाबजे कि चेक प्रवासी मजदूर लाभ योजना के तहत प्रदान किया गया है।वहीं मृतक के परिजन को मुआवजे की राशि दिलवाने में देवीपुर क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी सह पूर्व जिला परिषद सदस्य महेंद्र यादव ने महती भूमिका निभाई। यादव ने कहा कि सरकार की इस योजना से प्रवासी मजदूरों को किसी कारण काल के गाल में समाने से उनके परिजनों को चेक प्रदान किया जा रहा है जिससे बहुत हद तक इन्हें लाभ मिलेगा और दुख को कम करनें में यह चेक रामवाण का काम करेगा।वैसे काल के गाल में समाए ब्यक्ति के क्षति को कभी पूरा नहीं किया जा सकता।कुल मिलाकर मृतक के परिजन को चेक दिलवाने में महेंद्र यादव का सराहनीय योगदान रहा।

उपकारा मधुपुर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 18 5 25 को उपकार मधुपुर में जेल अदालत विधि जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ जिसमें अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी सुचिता निधि तिग्गा पूर्णिमा तिर्की न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम विधिक सेवा प्राधिकार देवघर की विद्वान अधिवक्ता ज्योति कर्म सील केशव तिवारी उपस्थित रहे में शिविर में विशेष कर वैसे बंदियो को चिन्हित किया गया है जिनके परिवार वाले जमानत के लिए उपस्थित नहीं हो रहे हैं साथ ही वैसे बंदी जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है

जानकारी ली गई एसडीजेएम मधुपुर द्वारा द्वारा कर के सभी बंदियो से एक-एक कर वार्ता की तथा उनसे उनकी समस्याओं के बारे में जानना चाहा रहन-सहन, भोजन केस के संबंध में परिवार के संबंध में हर मुद्दे पर एसडजेएम मधुपुर ने सभी बंदियों से बात की पुस्तकालय पाठशाला मुलाकाती कक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष बंदियों के बैरक का भ्रमण किया उल्लेखनीय है कि उपकार मधुपुर में विधिक सेवा प्राधिकार देवघर द्वारा अनेक बंदियों को निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया गया है जिसके माध्यम से वह अपनी केस में जमानत पर कारा से मुक्त हुए हैं , कार्यक्रम के अंत में प्रभारी कारापाल शिशिर पांडे द्वारा सभी न्यायिक पदाधिकारी एवं आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया

15 वें वित्त से जिलेभर के गांवों में टेंकर के माध्यम से पीने का पानी कराया जा रहा उपलब्ध

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःतपती धूप और भीषण गर्मी में गले का सुखना और देह से पसीना निकलता लाजमी है। गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार लगातार मॉनिटरिंग कर जिले के पाकुड़ प्रखंड के संग्रामपुर ग्राम एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत डुमरचीर पंचायत के पुसरभीटा सहित अन्य ग्रामों में ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराई जायगी।

गोह के भवानीपुर में घरेलू विवाद में ससुर ने बहू-बेटे को पीटा, दोनों अस्पताल में भर्ती

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) गोह थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक ससुर ने अपने बेटे और बहू की पिटाई कर दी। घटना में बहू संजू देवी (उम्र 24 वर्ष) पत्नी राकेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गईं, वहीं राकेश कुमार को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद दोनों घायलों को गोह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, झगड़े का कारण आपसी घरेलू विवाद बताया जा रहा है। स्थानीय पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार में लंबे समय से तनाव चल रहा था, जो रविवार को हिंसा में बदल गया।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर प्रभारी सचिव विशाल मांझी की उपस्थिति में पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान को लेकर अहम कानूनी जानकारी उपस्थित बंदियों को दी गई। बंदियों की उनके हित में मुफ्त कानूनी लाभ लेने व प्राधिकार से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त को लेकर कई बिंदु पर चर्चा करते हुए जानकारी दी गई। साथ ही जेल में मेडिकल कैंप लगाया गया।मेडिकल कैंप में चिकित्सक द्वारा सभी बंदियों का स्वास्थ्य जांच जैसे बीपी, शुगर, समेत अन्य की गई। इस दौरान जेल में बंदियों को मिल रहे स्वरोजगार प्रशिक्षण के तहत कौशल विकास कार्यशाला का दौरा अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव विशाल मांझी द्वारा की गई। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी समेत जेलर दिलीप कुमार, चिकित्सक पदाधिकारी एस के झा, आशीष हेंब्रम, अनुपा मुंडा, कोर्ट कर्मी संतोष मरांडी, अर्जुन मंडल, जितेंद्र कुमार, सरजू हेंब्रम, कृष्णा कुमार उपस्थित रहे।

कुम्हार टोली सेवा समिति द्वारा आई एवं हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कुम्भार टोली सेवा समिति देवघर एवं मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी कोलकाता के सहयोग से आज दिनांक 18 /5/ 2025 को बाबा नगरी देवघर में आई एवं हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में लगभग 370 पेशेंट देखे गए जिसमें चश्मा के 175 एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की 50 रोगी पाए गए इनका ऑपरेशन कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल में किया जाएगा इस कार्यक्रम को सफल बनाने मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के डॉक्टर सुकांतो राय डॉक्टर शंकर मंडल एवं डॉक्टर दिनेश सिंह डॉक्टर मलय दास कैंप कोऑर्डिनेटर कुमार टोली सेवा समिति के गोपाल राम मंडल, अजय दिवाकर का सराहनीय योगदान रहा यह कार्यक्रम मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के अध्यक्ष गोविंद राम अग्रवाल उपाध्यक्ष विष्णु दास मित्तल एवं अर्थ मंत्री इंदु नथानी के सहयोग से ही संभव हो सका इसकी जानकारी कैंप कोऑर्डिनेटर अजय दिवाकर एवं कुम्भारटोली सेवा समिति के गोपाल राम मंडल ने दी मोतियाबिंद के पाए गए रोगियों का ऑपरेशन कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी कोलकाता अस्पताल में निशुल्क किया जाएगा

20 साल पुराने मामले में पीड़िता को प्रदान किया गया 06 लाख का मुआवजे से सम्बन्धित चेक

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव द्वारा 20 साल पुराने मामले में पीड़िता को प्रदान किया गया 06 लाख का मुआवजे से सम्बन्धित चेक` जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्रीमति तान्या पटेल के द्वार मोटर दुर्घटना वाद संख्या 24/2005 में मृतिक सरजू प्रसाद की पत्नी सरस्वती देवी ग्राम- वाजिदपुर, रफीगंज, को 06 लाख का चेक प्रदान किया गया। सचिव द्वारा बताया गया की उक्त घटना 20 वर्ष पहले दिनांक 23.05.2005 को शिवगंज रोड में धावा नदी के पास मार्शल गाड़ी संख्या एच आर 20 ई 8905 के ड्राइवर द्वारा लपरवाही से धक्का मार कर पलट गया था जिसके चलते इलाज के क्रम में मृत्यु हो गया था। जिसके लिए रफीगंज थाना कांड संख्या 82/05 जिला खन्ना पंजाब दर्ज किया गया थो उक्त घटना से सम्बन्धित मोटर दुर्घटना वाद को दिनांक 8-03-2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते के आधार पर निस्तारण कराया गया थो चेक प्रदान करते हुए सचिव द्वारा पीड़िता को बताया गया कि चेक से सम्बन्धित राशि को परिवार के कल्याण में लगाये तथा भविष्य के लिए अधिक से अधिक पैसे को बैक में जमा करायें जिससे कि भविष्य में किसी प्रकार की कोई परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। राष्ट्रीय लोक अदालत वादों का निस्तारण सुलह के आधार पर कराने का एक सशक्त माध्यम है जिसमें सम्बन्धित को त्वरित न्याय प्राप्त होता है

जसीडीह स्थित गायत्री नगर में भाजपा का एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जसीडीह स्थित गायत्री नगर में भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला द्वारा *एक भारत श्रेष्ठ भारत* कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जिला प्रभारी भास्कर सिंह ,जिला अध्यक्ष सचिन रवानी , कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष प्रो डॉ राजीव रंजन सिंह एवं सह संयोजक महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा रूपा केसरी , रीता चौरसिया, विजया सिंह,वार्ड सदस्य राजन सिंह ,वार्ड आशीष पंडित ,अमित कुमार तिवारी ,पंकज सिंह भदौरिया आदि ने समवेत रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया ।जिला प्रभारी सह मुख्य अतिथि भास्कर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत एक ऐसा विचार है जो विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ को प्रोत्साहित करके भारत के भीतर एकता लाने का प्रयास करता है। देश को एक साथ लाने और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करने के लिए यह पहल महत्वपूर्ण है। राज्यों को एक साथ काम करने और एक-दूसरे से सीखने के लिए प्रेरित करके, एक भारत श्रेष्ठ भारत का उद्देश्य एकता को मजबूत करना और अधिक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी समाज बनाना है। छात्रों के लिए भी एक उद्देश्य समझना महत्वपूर्ण हैं । जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत, भारत सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया जो एक विशेष कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता को पहचानना और इसके लोगों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना है। इस पहल के

माध्यम से, विभिन्न राज्यों को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं और व्यंजनों को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करने के लिए जोड़ा जाता है। इस्का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और लोगों को भारत के विभिन्न हिस्सों की सांस्कृतिक समृद्धि का पता लगाने और उसका आनंद लेने के अवसर प्रदान करना भी है। जिला उपाध्यक्ष प्रो डॉ राजीव रंजन सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भारत श्रेष्ठ भारत नामक एक नई योजना की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य पूरे देश में एकता और सद्भाव को मजबूत करना है। यह भारत के विभिन्न हिस्सों के लोगों को जोड़ने पर केंद्रित है, जो देश के आदर्श वाक्य विविधता में एकता को बढ़ावा देता है। इस योजना का उद्देश्य भारत में एकता की गुणवत्ता में सुधार करना है। अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री ने यह भी बताया था कि एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना का उद्देश्य भारत को एक भारत सर्वोच्च भारत बनाना है। भारत में कई रचनात्मक लोग हैं जो लोगों को जोड़ने और एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं। इस योजना की मदद से देश की एकता और सद्भाव की संस्कृति को समृद्ध करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा रूपा केशरी ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत एक मूल्यवान पहल है जो पूरे भारत के लोगों को विभिन्न राज्यों की विविध संस्कृतियों और परंपराओं के बारे में जानने और उनकी सराहना करने में मदद करेगी। आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर, इस योजना का उद्देश्य लोगों को एक-दूसरे के करीब लाना है, जिससे पूरे देश में एकता और सद्भाव बढ़े। यह अवसर नागरिकों को भारत को महान बनाने वाली समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और उसे अपनाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम इस अवसर पर रमेश कुमार राय ,ललित मिश्रा ,ओमप्रकाश सिंह ,सरोज दुबे , मंजू पासवान ,यतीन्द्र दुबे , श्रीकांत बाजपेई,मोहन मधुप , टुनटुन भारती ,सरिता बरनवाल ,मंजू भारती , संगीता कुमारी ,बिपुल सिंह ,सोनू झा ,सन्नी सिंह , ललन दुबे ,निर्दोष सिंह ,कुंदन माथुरी ,उदय दुबे ,रामपदारथ मिश्रा,बिहू पांडेय ,अमित तिवारी ,संगीता कुमारी ,कविता देवी ,डोली देवी , मुनी देवी,रीना देवी ,बिजली देवी आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे ।

देवघर में आर्ट ऑफ गिविंग का स्थापना दिवस मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आर्ट ऑफ गिविंग अर्थात देने की कला जिसके संस्थापक कलिंगा यूनिवर्सिटी उड़ीसा के संस्थापक भूतपूर्व राज्य सभा सांसद अच्युता सामंता है।इसके संस्था के तहत उड़ीसा में करीब 20हजार गरीब बच्चों का रहना खाना और उच्च शिक्षा बिल्कुल मुफ्त होता है उसके स्थापना दिवस पे पूरे भारत में जहां जहां इनकी संस्था है सभी जगह सामाजिक कार्यक्रम स्पोर्ट्स आयोजन किया जा रहा है।।इसके तहत आज देवघर में भी इस संस्था के देवघर यूनिट के प्रधान संरक्षक डॉ सुनील खवाड़े जो देवघर में आर्ट ऑफ गिविंग के लिए हीं जाने जाते हैं और अध्यक्ष आशीष झा के नेतृत्व में 4 ' दौड़, स्विमिंग कंपीटिशन कराया और समाज खेल के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा देने के लिए 2 लोग को सम्मानित भी किया गया।।सबसे पहले दौड़ का आयोजन काली बाड़ी मोड़ से पूरे नंदन पहाड़ होते हुए बोटिंग घाट तक करीब 4 ' का दौड़ हुआ जिसमें प्रथम प्रकाश मुर्मु, दूसरा अशोक कुमार और तीसरा आदर्श सहित पहले 10 खिलाड़ियों जिनमें विकास कोल,जितेंद्र कुमार , मुरारी कुमार,कपिलदेव कुमार,शिवम् कुमार,अमित कुमार,दिलीप कुमार को पुरस्कृत किया गए।।बालिका स्विमिंग में सौम्या भारद्वाज को पहला श्रद्धा कुमारी को दूसरा जबकि पाखी को तीसरा पुरस्कार मिला।।बालक अंडर 15 में दीपक को पहला अनुराग को दूसरा जबकि जयवीर को तीसरा पुरस्कार मिला।। बैक स्टॉक में अनुराग कुमार को पहला वंश कुमार को दूसरा जबकि सौम्या को तीसरा पुरस्कार मिला वहीं पुरुष वर्ग में लाल मोहन कुमार को पहला विकास कोल को दूसरा जबकि आयुष कुमार को तीसरा पुरस्कार मिला।। निशुल्क शारीरिक स्वास्थ प्रशिक्षण देने के लिए मुन्ना पासवान जी को जो करीब 50 से

100 बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण पिछले कई वर्षों से देते है।और सफाई अभियान में पिछले 5 साल से लगे रहने के लिए कुंदन कुमार सिंह को आर्ट ऑफ गिविंग सोशल एक्टिविटी अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।।इस आयोजन में करीब 100 से ऊपर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।।इस आयोजन को सफल बनाने में आर्ट ऑफ गिविंग के देवघर यूनिट के सचिव नवीन शर्मा,संजय मालवीय,कृष्ण कुमार बर्नवाल,मधुरंजन मालवीय,,प्रवीर राय,राकेश पाण्डेय,सुधाकर चौधरी,रोहित रंजन,विकास कुमार वाजपेई,सोनू कुमार,ने अहम योगदान दिया

लाभुकों को पथ प्रदर्शक दिलाएगा सरकारी योजनाओं का लाभ

विकास शिविर से वंचित अनु. जाति के परिवारों से मिले- बमेन्द्र

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार द्वारा इन दिनों गांव - गांव में विकास शिविर लगाया जा रहा है जिसमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदाय से आवेदन लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।परंतु जागरूकता एवं जानकारी के अभाव में लाभुक परिवार योजनाओं के लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। औरंगाबाद की चर्चित स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह सरकार की विशेष शिविर से वंचित परिवार से मिलकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक एवं प्रेरित कर रहे हैं।रविवार को समाजसेवी बमेन्द्र ने बारुण प्रखण्ड अंतर्गत कोचाढ पंचायत के इंग्लिश गांव में अनुसूचित जाति रविदास टोला जाकर विशेष शिविर से वंचित लाभुक परिवार से मिला।ग्रामीणों की सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए चलाई जा रही विशेष शिविर से वंचित लाभुकों की जानकारी ली एवं उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने

की बात कही। बता दें कि बाइस सरकारी योजनाओं के लिए विशेष शिविर लगा कर आवेदन प्राप्त किया जा रहा है,जिसपर सरकार द्वारा त्वरित करवाई करते हुए लाभ दिया जा रहा है।विगत तीस अप्रैल को इंग्लिश गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर विशेष शिविर आयोजित किया गया था,परंतु जानकारी के अभाव में ये परिवार लाभ लेने से वंचित रह गया था।मुख्य रूप से योजनाओं में राशन कार्ड,आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड,जन्म प्रमाण पत्र,मृत्यु प्रमाण पर,श्रम कार्ड,वासगीत पर्चा,जॉब कार्ड,विद्युत कनेक्शन इत्यादि शामिल है।विशेष शिविर से वंचित लाभुकों ने बमेंद्र से राशन कार्ड,आधार कार्ड,जॉब कार्ड ,वासगीत पर्चा इत्यादि के लिए कहा जिसे बनवाने के लिए बमेन्द्र ने एक सप्ताह का समय लिया है।इस अवसर पर मुन्ना देवी, इंद्रमणि देवी,शिवमतिया कुंवर, विजेंद्र राम,योगेंद्र राम,विश्वनाथ राम सहित टोला के चौदह परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

लहरों पर लहर पुस्तक का लोकार्पण एवं दानीका के शाखा का शुभारंभ

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के बिराटपुर मुहल्ले में जिले की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय की शाखा का शुभारंभ किया गया।साथ ही साथ मशहूर गजल गायक अनिल कुमार चंचल रचित पुस्तक लहरों पर लहर का लोकार्पण भी किया गया। सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित औरंगाबाद के विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,नवबिहार टाइम्स के प्रधान संपादक कमल किशोर, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी, शब्दाक्षर के प्रांतीय सचिव विनय मामूली बुद्धि, शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेन्द्र केशरी, सीतयोग के सचिव राकेश कुमार सिंह, कवि अनुज बेचैन, प्रियदर्शी किशोर श्रीवास्तव, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी, शिक्षक नेता अशोक पांडेय ,दानिका के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार, पुस्तक के लेखक अनिल कुमार चंचल, कैप्टन निलेश कुमार एवं डाइटिशियन निमिषा सहित अन्य लोगों ने पुस्तक का लोकार्पण किया एवं फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। संबोधन के क्रम में गजलकार अनिल कुमार चंचल ने बताया कि बिराटपुर शुरू से ही संगीत का जमावड़ा रहा है।अनुज बेचैन ने काव्य पाठ करते हुए कहा कि प्रेमचंद तुम्हारी याद आती है।नागेंद्र केसरी ने सुनाऊं रात का किस्सा शीर्षक काव्य प्रस्तुति दी। अशोक पांडेय ने कहा कि

दानिका की शाखा अन्य राज्यों में खुलना चाहिए। प्रसिद्ध कवि प्रदीप कुमार रौशन के गजल की प्रस्तुति भी की गई। नवबिहार टाइम्स के प्रधान संपादक कमल किशोर ने कहा कि दानिका को जिला स्तर पर संगीत का प्रतियोगिता कराना चाहिए। वर्तमान परिदृश्य में औरंगाबाद जिले में जितने भी संगीत के कार्यक्रम होते हैं वह बिना दानिका के पूरा नहीं होते। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि कवि संयोग वियोग की कड़ी है ।वाल्मीकि ने करुण रस की व्याख्या में इसका प्रयोग किया है।शिव का तांडव नृत्य संगीत का रूप ले लेता है।गजल गायकी में ईरानी घराना का भी योगदान है। बिराटपुर में शाखा खोलने के लिए अनिल कुमार चंचल को बधाई दी। मौके पर हरिनारायण सिंह, राजू सिंहा,मास्टर विकास, सविता सिंहा,अंजली सिंह,शिवांगी सिंह, अमिशा गायकवाड,ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति की गई। प्रेरणा प्रकाश के भाव नृत्य पर लोग भाव विह्वल हो गए।

एससी-एसटी एक्ट में पांच अभियुक्त को हुई सजा सुनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज प्रथम सह विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी कोर्ट इसरार अहमद ने एक परिवाद संख्या -370/04 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए सजा सुनाई है, स्पेशल पीपी शक्ति कुमार ने बताया कि अभियुक्त सुखदेव यादव गुरारू, अशोक यादव, प्रसिद्ध यादव, सत्येन्द्र यादव, विपुल यादव अब्दुलपुर रफीगंज को भादंवि धारा -447 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, तथा एससी-एसटी एक्ट में छः महीने की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है जुमार्ना न देने पर एक माह अतिरिक्त कारावास होगी, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियोगी शांति देवी अब्दुलपुर रफीगंज ने दो दशक पूर्व 10/05/04 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी औरंगाबाद के न्यायालय में अभियुक्तों के खिलाफ अभियोग दायर किया था जिसमें कहा था कि जातिसूचक शब्द उच्चारण करते हुए अभियुक्तों ने झोपड़ी कबाड़ दिया था दिवाल तोड़ दिया था और पुनः न बसने की धमकी दी थी।

ऑपरेशन सिंदूर : सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरे पर

रूडी मिस्र, कतर, इथियोपिया व दक्षिण अफ्रीका का करेंगे दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर पर भारत की वैश्विक कूटनीतिक पहल

आतंकवाद के विरुद्ध भारत की शून्य सहिष्णुता नीति को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाने की रणनीति

सांसद राजीव प्रताप रूडी सातवें प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय भूमिका में

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल

सांसद रुडी के साथ, अनुराग ठाकुर और कांग्रेस सांसद मनिष तिवारी के साथ अन्य दलों के वरिष्ठ सांसद शामिल

मिस्त्र, कतर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेंगे रुडी

प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक शामिल

विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद एक स्वर में आतंकवाद के विरुद्ध भारत की प्रतिबद्धता रखेंगे

पहलगाम हमले के बाद भारत की तीव्र और ठोस कूटनीतिक प्रतिक्रिया

नई दिल्ली , ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर के तहत एक निर्णायक वैश्विक अभियान की शुरूआत की है। इस पहल के तहत भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विश्व के विभिन्न प्रमुख साझेदार देशों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों की यात्रा पर भेजे जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक को शामिल किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सारण से सांसद राजीव प्रताप रूडी इस ऐतिहासिक पहल में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। वे सातवें प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में मिस्त्र, कतर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर जा रहे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को वैश्विक समुदाय के समक्ष रखेगा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनसीपी शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले करेंगी। रूडी के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हैं जिसमें आप सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, टीडीपी सांसद लवु श्री कृष्ण देवतरायालु, कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन और सैयद अकबरुद्दीन है। यह प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह स्पष्ट संदेश देगा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध पूरी तरह एकजुट और अडिग है। इस संदर्भ में सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध भारत की यह वैश्विक पहल ऐतिहासिक है। उसमें भागीदारी करना मेरे लिए गौरव की बात है। मुझे गर्व है कि मैं इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर भारत की एकजुटता और दृढ़ नीति को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह प्रतिनिधिमंडल भारत की राजनीतिक विविधता के बावजूद उसकी राष्ट्रीय एकता और आतंकवाद के विरुद्ध स्पष्ट रुख का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित प्रतिकर, सूचना के अधिकार और मौलिक कर्तव्य पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत ग्राम खखडा में जागरूकता कार्यक्रम का किया गया, कार्यक्रम में वक्ताओं ने उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत विभिन्न मामलों यथा अपराध, तेजाब हमला, मोटर दुर्घटना पीड़ित व्यक्तियों को मिलने वाली पीड़ित प्रतिकर एवं सहायता के संबंध में जानकारी उपलब्ध करा कर उन्हें जागरूक किया गया' इसके अतिरिक्त अगर कोई भी समस्या हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार उन्हें उनके समस्याओं के निराकरण कराने में हर संभव विधिक सहायता उपलब्ध कराता है इस सम्बन्ध में जानकारी दिया गया ' इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संविधान द्वारा निर्देशित देश के प्रति नगरिकों के कर्तव्य को लेकर जागरूक किया गया ' कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं जैसे मुफ्त विधिक जानकारी, योग्य व्यक्तियों को मुफ्त अधिवक्ता के माध्यम से उनके वाद में बचाव, आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत के संबंध में विस्तृत जानकारी ताकि वे अपने वाद को समाप्त कर सकें. जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जानकारी उपलब्ध कराया गया ' कार्यक्रम में उप मुख्य कानूनी बचाव अधिवक्ता अभिनन्दन कुमार, सहायक कानूनी बचाव अधिवक्ता रणधीर कुमार के साथ अधिवक्ता रौशन कुमार , अर्द्ध विधिक स्वयं सेवक बिरजा प्रजापति के साथ साथ अर्द्ध विधिक स्वयं सेवक निशा कुमारी ने भाग लिया।

वज्रपात से सुरक्षा हेतु जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री के निर्देश पर जिले के विभिन्न अंचलों में वज्रपात से सुरक्षा एवं बचाव के उपायों के संबंध में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को वज्रपात के दौरान अपनाए जाने वाले एहतियाती उपायों की जानकारी दी गई। जन-जागरूकता अभियान का उद्देश्य वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदा से जनहानि को न्यूनतम करना तथा आम नागरिकों को समय पर उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं तथा किसानों को सरल और प्रभावशाली भाषा में बताया गया कि वज्रपात की स्थिति में खुले मैदान, ऊँचे पेड़, विद्युत संचालित उपकरणों से कैसे दूरी बनाएं। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से यह अपील की गई कि सभी नागरिक वज्रपात के समय सतर्कता बरतें, मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को गंभीरता से लें' जिला प्रशासन इस प्रकार के जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखते हुए जनता की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है।

अंडर 16 क्रिकेट टूनार्मेंट में बांका ने मुंगेर को किया 6 विकेट से पराजित

आदिवासी एक्सप्रेस/ बौसी(बांका)

झाझा में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे श्यामल सिंह अंदर 16 क्रिकेट टूनार्मेंट में बांका ने मुंगेर को 6 विकेट से पराजित किया ' बारिश के चलते खराब आउटफील्ड के वजह से मैच25 ओवर का कराया गया' टॉस जीतकर मुंगेर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया मुंगेर ने निर्धारित 25 ओवर में 115 रन सभी विकेट खोकर बनाया' मुंगेर के ओर से सर्वाधिक उमंग ने 25 वैभव ने 21 समर्थ ने 18 और विवेक ने 10 रनों का योगदान दिया' बांका के गेंदबाज दिव्यांशु ने चार विकेट अमन ने दो विकेट सोनू व ललन ने एक-एक विकेट झटके ' जवाब में उतर बांका की टीम ने 22 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य पूरा किया ' बांका की ओर से सर्वाधिक कप्तान संतोष ने नॉट आउट 32 रन गौरव 25 रन स्वप्निल 17 रन और रिशांत ठाकुर ने नवाद 12 रन का योगदान दिया वही मुंगेर की ओर से आदित्य हर्ष और प्रतीक ने एक-एक विकेट झटके ' बेहतरीन गेंदबाजी के लिए दिव्यांशु राज को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया ' बांका का अगला मैच दिनांक 19 में को लखीसराय से होना है'

सीएसपी संचालक ने अनपढ़ महिला को बनाया निशाना

चार लाख रुपये की फर्जी निकासी

पीड़िता न्याय की आस में दर दर भटक रही।

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) गोह प्रखंड के हथियारा गांव की रहने वाली रंजू देवी इन दिनों गहरे सदमे में हैं। उनके साथ जो हुआ है, वह न सिर्फ धोखाधड़ी है, बल्कि एक बेसहारा महिला की उम्मीदों पर भी बड़ा कुठाराघात है। पति की दिवार से दबकर हुई मौत के बाद रंजू देवी को निर्माण कम्पनी की ओर से मिलने वाले आर्थिक सहायता की आस थी। लेकिन अनपढ़ होने और व्यवस्था की पेचीदगियों के कारण वह इसे पाने में लगातार असफल हो रही थीं। थक-हारकर उन्होंने अपने ही गांव के एक ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएसपी) संचालक से मदद मांगी। पहले तो वह सहारा बना, लेकिन बाद में वही शख्स भरोसे का सौदा कर गया। पीड़िता के अनुसार, सीएसपी संचालक ने उनके खाते में राशि आते ही गुपचुप तरीके से एटीएम कार्ड बनवाया और करीब चार लाख रुपये की निकासी कर ली। रंजू देवी के बैंक ऑफ बड़ौड़ा के खाता नंबर 12300100020364 पर बजाज कंट्रक्शन निर्माण कम्पनी ने 26 अप्रैल 2019 को तीन लाख छह हजार छह सौ चालीस रुपए भेजा था। जिसको एटीनएम से 07 मई 2019 को पचास हजार रुपए,पुनः उसी दिन बीस हजार रुपए। बीस मई को पचास हजार रुपए,27मई 2019 को त्रिवेणी किसान सेवा देवकुंड से पचास हजार रुपए 13 जून को दस हजार,उसी दिन पुनः दस हजार रुपए इस तरह लगातार उसने फर्जी निकासी बेसहारा रंजू के खाता से कर लिया। रंजू देवी को इस धोखाधड़ी का तब पता चला जब वह अपने खाते से कुछ पैसे निकालने बैंक पहुंची। वहां उन्हें बताया गया कि खाते में कोई राशि शेष नहीं है और पूरी निकासी एटीएम के जरिये पहले ही हो चुकी है।जब उन्होंने सीएसपी संचालक से इस बारे में सवाल किया तो उसने पलटकर यही कहा कि ह्लआपने ही मेरे सामने पैसे निकाले हैं। अब रंजू देवी कभी थाने तो कभी अधिकारियों के दफ्तर का चक्कर काट रही हैं। करीब दो माह पहले रंजू ने देवकुंड थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अबतक दोषी संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज नही हो सका।उन्होंने अब औरंगाबाद एसपी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता की मांग है कि उसे उसके हक का पैसा वापस दिलाया जाए और दोषी सीएसपी संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

क्या कहते है थानाध्यक्ष

इस सबंध में देवकुंड थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने कहा की पीडित महिला रंजू देवी के द्वारा आवेदन मिली है। जांच कर करवाई की जाएगी। इधर सीएसपी संचालक से उनका पक्ष जानने का कई बार प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नही समझा। यह घटना न केवल एक महिला के साथ हुए विश्वासघात की कहानी है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि कैसे तकनीकी व्यवस्था में जागरूकता और सुरक्षा के अभाव में ग्रामीण और अशिक्षित जनता आसानी से ठगी का शिकार हो जाती है।

जमुआ के विद्याकुलम् ट्यूटोरियल्स में फॉउंडेशन बैच की शुरूआत

विद्यार्थियों को टीन ऐज में बहुत ही ईमानदारी से मेहनत करना चाहिए: रब्बुल हसन रब्बानी

पिछले पांच वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रहा है विद्याकुलम् ट्यूटोरियल्स

शुभम सौरभ

गिरिडीह विशेष,प्रतिनिधि।जिले के जमुआ प्रखंड अंतर्गत हरला दुम्मा रोड विद्याकुलम् ट्यूटोरियल्स में इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अध्ययनरत आठवीं, नवमी और दसवीं विद्यार्थियों के लिए फॉउंडेशन कोर्स की शरूआत की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे जमुआ उपप्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक राजेश यादव ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर फॉउंडेशन बैच की शुरूआत किया। विद्यार्थियों को टीन ऐज में बहुत ही ईमानदारी से मेहनत करना चाहिए: रब्बुल हसन रब्बानी मौके पर मुख्य अतिथि उपप्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी ने कहा कि विद्यार्थियों को टीन ऐज में बहुत ही ईमानदारी से मेहनत करना चाहिए, क्योंकि आज जैसा बीज बोते हैं आने वाले दिनों में वैसा ही फल मिलता है। इसलिए पढ़ाई के दिनों में अपने शिक्षक द्वारा दिये गए मार्गदर्शन का अनुपालन करना चाहिए अन्यथा बाद में पछताना पड़ता है और मार्गदर्शन हेतु आपका विद्याकुलम् ट्यूटोरियल्स एक बेहतर संस्था है। मौके पर शिक्षक राजेश यादव ने बच्चों को उत्साह वर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य हेतु आठवीं से ही एनसीईआरटी की किताबें पढ़ने का सझाव दिया।

शिक्षकों को भी किया गया सम्मानित

मौके पर संस्थान के शिक्षक सन्नी राणा, जफ्फिरुल्लाह, प्रभाकर शर्मा, सचिन कुमार और विक्की विश्वकर्मा इत्यादि को भी मुख्य अतिथि ने ट्राफी और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। *संस्थान के द्वारा गर्मी की छुट्टियों में फाउंडेशन कोर्स हेतु 15 दिनों का निःशुल्क क्लास दे रहे हैं: मंजूषा कुमारी संस्थान के डायरेक्टर मंजूषा कुमारी ने कहा कि यदि बच्चे भविष्य में इंजिनीरिंग और मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षा के क्षेत्र में जाने का रुचि रखते हैं तो उन्हें छठी कक्षा से कॉन्सेप्ट बना कर पढ़ने की जरूरत है और रटने से सिर्फ समय बर्बाद होता है। इसलिए हमलोग गर्मी की छुट्टियों में फाउंडेशन कोर्स हेतु 15 दिनों का निःशुल्क क्लास दे रहे हैं, जिसमे बच्चे जान सकेंगे कि विषयों को सीखने का सही तरीका क्या है और संस्थान की गुणवत्ता भी जान सकेंगे। मंच संचालन विद्याकुलम के इंग्लिश फैकल्टी प्रभाकर शर्मा ने किया।

इनकी थी मौजूदगी

मौके पर अंजलि, प्रियंका, संजना, अनुराधा, बिंदु, सिमरन, मनीषा, अंजलि, सारिका, रकीबा, प्रियांशु, सूरज, अभिराज, सावन, साकिब, कैफ इत्यादि दर्जनों छात्र उपस्थित हुए। *पिछले पांच वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रहा है विद्याकुलम् ट्यूटोरियल्स यह कोचिंग संस्थान पिछले पांच वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रहा है, इस संस्थान के खुल जाने से अब छात्र-छात्राओं को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है, यहीं पर उन्हें अच्छी शिक्षा मिल रही। इस कोचिंग संस्थान का प्रदर्शन हमेशा से अव्वल रहता है, शिक्षक-शिक्षिकाओं के नेतृत्व में बच्चों ने अपनी मेहनत के बदौलत बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं। इस संस्थान के द्वारा इंटर सायंस में पिछले पांच वर्षो से उत्कृष्ट रिजल्ट दे रहा है। इस संस्थान से पढ़े बच्चे आज बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत हैं।

भेटनिया गांव के मदार नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीण जनता काफी आक्रोशित है

भेटनिया ग्राम के स्थानीय जनता पुल की समस्या को लेकर लोजपा प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह से मिला

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के रफीगंज प्रखंड के भेटनिया गांव में मदार नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है, पुल की समस्या को लेकर भेटनिया ग्राम के स्थानीय जनता लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश महासचिव सह समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह से मिला। आगे ग्रामीणों ने कहा है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में पुल निर्माण कराने का जो नेता आश्वासन देंगे वहीं प्रत्याशी को हम सभी ग्रामीण जनता उन्हीं को वोट देंगे। बताते चले की पुल को लेकर ग्रामीण जनता स्थानीय सांसद विधायक, पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह से कई बार मिलकर पुल पर नजर रखने का प्रयास किया लेकिन आज तक कोई इनके द्वारा पुल पर ध्यान नहीं दिया, ग्रामीणों ने आगे कहा कि इस पुल निर्माण को लेकर पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह के द्वारा आश्वासन दिया गया था कि जब मैं विधायक बनके जाऊंगा विधानसभा में तो सर्वप्रथम पुल का ही निर्माण कराऊंगा लेकिन ग्रामीणों ने कहा कि उनके द्वारा दिए गए आश्वासन सिर्फ छलावा रह गया है इसी तरह ग्रामीणों ने वर्तमान विधायक नेहालुद्दीन से जब भेटनिया ग्राम की जनता ने संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि वोट मुझे आप लोग थोड़े दिए हैं कि मैं आपका काम कराऊं। इसी तरह ग्रामीण ने कहा कि अभी तक में रोड से भेटनिया गांव को पुल से नहीं जोड़ा गया है जिसे बरसात के दिनों में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है और शादी विवाह करने में भी काफी कठिनाई झेलनी पड़ती है और आगे ग्रामीणों ने कहा हम सभी का पुल का समस्या समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ही निदान करेंगे और उन पर हम सभी का पूर्ण विश्वास है कि यह पुल का निर्माण उनके द्वारा हर संभव बनाने की उम्मीद हम सभी लोग रखते हैं।

आंधी में गिरा छज्जा, शिव चर्चा में शामिल दो महिलाएं जख्मी

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)झिकटिया गांव में आंधी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। गांव के रामकेश्वर बिंद के घर के पास शिव चर्चा चल रही थी, तभी तेज आंधी में पास के एक मकान का छज्जा गिर पड़ा। इस हादसे में रामकेश्वर बिंद की पत्नी कुंती देवी और श्यामबली सिंह की पत्नी देवन्ति देवी दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आंधी के कारण छज्जे के गिरने से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों महिलाओं को मलबे से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद अन्य लोग सुरक्षित बच गए। प्रशासन ने घटना की जानकारी ली है और पीड़ितों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

राष्ट्रपति के 14 सवालों का सच: संवैधानिक नैतिकता का पतन

विचार

> “ जब सुप्रीम कोर्ट ने यथाशीघ्र का मतलब बताया है तो राष्ट्रपति के जरिये कोर्ट से 14 सवाल किये जाते हैं. बाबा साहेब ने 4 नवम्बर, 1948 को संविधान सभा में ब्रिटिश इतिहासकार जॉर्ज ग्रोट को उधृत करते हुए भारतीय समाज के और गवर्नेंस में लगे लोगों के लिए "संवैधानिक मर्यादा" का सिद्धांत प्रतिपादित किया था. ग्रोट के अनुसार किसी सरकार के लिए जो शांति और स्वायत्तता की पोषक हो, संवैधानिक नैतिकता का पालन अपरिहार्य है, बाबा साहेब ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा था कि हालांकि यह संविधान गवर्नेंस के व्यापक डिटेल्स देने में कुछ ज्यादा बड़ा हो गया है।

एन.के. सिंह

भारत में संवैधानिक नैतिकता का क्षरण अपने चरम पर है। विधेयकों पर राज्यपालों की देरी से लेकर सुप्रीम कोर्ट के समयसीमा संबंधी फैसले और राष्ट्रपति द्वारा उसे चुनौती देने वाले 14 सवाल तो यही बता रहे हैं। जनता दल (यू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शासित और "अविकास" और बदहाल गवर्नेंस के लिए कुख्यात बिहार के "महामहिम" को अब सब कुछ ठीक लग रहा है लेकिन वही जब गुड गवर्नेंस के लिए देश भर में विख्यात गैर-भाजपा शासित केरल के महामहिम थे तो सब कुछ खराब था और वहाँ की सरकार को पद-पग पर उनके अवरोध का सामना करना पड़ता था. भाजपा के एक उपमुख्यमंत्री सेना को "यशस्वी" मोदी के चरणों में गिरा बताते हैं और दूसरा मंत्री सेना की प्रखर प्रवक्ता को लेकर, बकौल हाईकोर्ट "गटर छाप" टिप्पणी करता है तो पूरी पार्टी दोनों को बचाने खड़ी हो जाती है. ये तीनों संवैधानिक पदों पर आसीन हैं और उनमें से एक संविधान की संरक्षण, अभिरक्षण और परिरक्षण की शपथ लिए है जबकि बाकी दोनों "शुद्ध अंतःकरण से" और "राग-द्वेष के बिना" की. क्या इन वोट के याचक रहनुमाओं ने गवर्नेंस में संवैधानिक मर्यादा की पालन की अपरिहार्य पूर्वशर्तों में से एक भी पूरी की है? संविधान राज्यपाल को राज्य विधायिका द्वारा पारित किसी बिल पर यथाशीघ्र फैसला लेने को कहता है लेकिन अपने "दिल्ली आका" को खुश करने के लिए गैर-भाजपा शासित राज्यों के राज्यपाल इसे शब्द युग्म का मतलब लगते हैं "कोई समय सीमा नहीं" और फिर हर कदम पर अवरोध पैदा करते हैं.लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने यथाशीघ्र का मतलब बताया है तो राष्ट्रपति के जरिये कोर्ट से 14 सवाल किये जाते हैं. बाबा साहेब ने 4 नवम्बर, 1948 को संविधान सभा में ब्रिटिश इतिहासकार जॉर्ज ग्रोट को उधृत करते हुए भारतीय समाज के और गवर्नेंस में लगे लोगों के लिए "संवैधानिक मर्यादा" का सिद्धांत प्रतिपादित किया था. ग्रोट के अनुसार किसी सरकार के लिए जो शांति और स्वायत्तता की पोषक हो, संवैधानिक नैतिकता का पालन अपरिहार्य है, बाबा साहेब ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा था कि हालांकि यह संविधान गवर्नेंस के व्यापक डिटेल्स देने में कुछ ज्यादा बड़ा हो गया है लेकिन इन डिटेल्स को कालांतर में सारहीन मान कर कम किया जा सकता है तब जबकि भारतीय "संवैधानिकत्व की संस्कृति" (कल्चरल ऑफ़ कानस्टिच्युशनलिज्म) को पूर्णतः अंगीकार कर लें. "भारत में फिलहाल संवैधानिक नैतिकता एक राष्ट्रीय भावना नहीं है. इसे पैदा (कल्टीवेट) करना पडेगा क्योंकि प्रजातंत्र भारत की जमीन में -जो प्रत्यक्ष रूप से गैर-प्रजातान्त्रिक है, में केवल टॉप ड्रेसिंग (पौधा उगने के बाद पानी देना) हीं है".राज्यपालों, केन्द्रीय और राज्य विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों और नियामक और कानून की रक्षक संस्थाओं जैसे आईटी, ईडी, सीबीआई में बैठे लोगों की हल के कुछ वर्षों के आचरण से क्या बाबा साहेब का उपरोक्त कथन सही नहीं साबित हो रहा है? आखिर क्या वजह है जो राज्यपाल किसी गैर-भाजपा शासन में राज्य की चुनी सरकार के साथ शाश्वत द्वन्द में रहता है वहीं भाजपा-शासित राज्य में जाने के बाद गलबहियां डाल लेता है? क्या वजह है सदन के बाहर राज्य सभा सभापति सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ किसी राजनीतिक दल के नेता से ज्यादा बोलने लगते हैं. किस "आका" को खुश करने के लिए यह सब किया जाता है? अगर एक ऐसे हीं गैर-भाजपा शासित राज्यों के राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद में दी अभिव्यक्ति "यथाशीघ्र" का मतलब "कोई समय सीमा नहीं" लगाये और बिल को दुबारा राज्य विधायिका द्वारा भेजे जाने पर संस्तुति की बाध्यता को चकमा देने के लिए "अबकी बार" राष्ट्रपति को भेजे और "राष्ट्रपति" भी उस पर फैसला न लें, तो यह सब तिकड़म (जिसका डर बाबा साहेब जो था क्योंकि हम आदतन गैर-प्रजातान्त्रिक हैं याने संवैधानिक मर्यादा को ठेंगे पर रखते हैं) क्या देश की सबसे बड़ी अदालत देखती रहे? राष्ट्रपति के 14 सवाल :राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143(1) में प्रदत्त शक्तियों के तहत सुप्रीम कोर्ट से 14 बिन्दुओं पर राय माँगी है. चूंकि इस प्रावधान में " कोर्ट राय दे सकती है" लिखा है लिहाज़ा राय देना बाध्यकारी नहीं है. राष्ट्रपति ऐसे किसी भी प्रश्न पर जो लोक-महत्व का है या हो सकता है, देश की सबसे बड़ी कोर्ट से यह राय मांगता (मांगती) है. आज तक 15 बार इस शक्ति का प्रयोग किया गया हालांकि दो बार कोर्ट ने राय नहीं दी. अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढांचा गिरने के बाद पूछा गया प्रश्न था "क्या राम-मंदिर-बाबरी मस्जिद ढांचे पर मस्जिद के पूर्व कोई हिन्दू मंदिर था?". कोर्ट ने राय देने से इनकार करते हुए कहा "यह प्रश्न सिविल सूट में पहले से हीं कोर्ट्स में है लिहाज़ा इस पर फैसले की प्रक्रिया के बगैर राय देना सही नहीं होगा. इस बार भी जिन 14 सवालों को पूछा गया है उनमें से अधिकांश पर कई राज्यों के वाद एससी में लंबित हैं. यह सच है कि मुख्य मुद्दा था तमिलनाडु राज्यपाल द्वारा विधानसभा द्वारा पारित और दुबारा भेजे गए बिल को संस्तुत न करने और फिर राष्ट्रपति के पास भेजने पर एससी की खंड पीठ का फैसला. राष्ट्रपति ने इसे "संविधान का मूलभूत प्रश्न मानते हुए एससी से पूछा है कि क्या खंड पीठ को ऐसे मामले संविधान पीठ भेजने की संस्तुति नहीं करनी चाहिए?". खंड पीठ ने फैसले में अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए न केवल बिल को "पारित माना" बल्कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए फैसला करने की समयसीमा तय की और राज्यों को इसके उल्लंघन पर एससी आने को कहा. केंद्र इस आदेश के खिलाफ अपील की जगह राष्ट्रपति के जरिये राय माँगी. यहाँ "संविधान के प्रावधान की व्याख्या का प्रश्न (सब्सटेंशिअल क्वेश्चन ऑफ़ लॉ)" एक अजीब व्यापक पहेली है. नागरिक के सड़क पर चलने के अधिकार से लेकर राज्यपाल का जानबूझ कर बिल पर दस्तखत न करना और केंद्र या राज्य विधायिकाओं का बहुमत के जोर पर बिल पारित करवाना भी संविधान की व्याख्या के दायरे में आता है. महाराष्ट्र में उर्दू को संविधान की नज़रों में मराठी जैसा दर्जा देने का खंड पीठ का फैसला भी संविधान की व्याख्या माना जा सकता है. ऐसे में खंड पीठ का अस्तित्व कैसे रहेगा?

संपादकीय

सरकारी तंत्र की नाकामी

हरियाणा में इस वर्ष के शुरुआती तीन महीनों में ही चार हजार एक सौ लोगों के लापता होने की खबर चिंताजनक है। इससे राज्य के सुरक्षा इंतजाम और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठते हैं। एक राज्य में रोजाना औसतन पैंतालीस लोगों का गुम हो जाना और उनका फिर कभी न मिलना एक ऐसी त्रासदी है, जो न केवल सरकारी तंत्र की नाकामी को दर्शाता, बल्कि एक ऐसी जटिल समस्या का सूचक भी है, जो कई स्तरों पर प्रभावित परिवारों और लोगों पर गहरा असर डाल रहा है। गौरतलब है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के गुम हो जाने के अलावा एक हजार से ज्यादा लोगों के अपहरण के मामले भी सामने आए हैं। ये आंकड़े किसी भी जिम्मेदार सरकार को विचलित करने वाले होने चाहिए। यही वजह है कि एक रपट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने राज्य की पुलिस को नोटिस जारी कर आठ हफ्ते के भीतर इस मसले पर जवाब मांगा है। आयोग ने सख्त टिप्पणी की है कि ये आंकड़े सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र के विफल होने की गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं। यह समझना मुश्किल नहीं है कि जो लोग गुम हो जाते हैं, उनके परिवारों को किस गंभीर मानसिक आघात का सामना करना पड़ता होगा। खासकर तब, जब उन्हें यह भी नहीं पता होता कि उनके जो प्रियजन गुम हो गए, वे जीवित हैं या नहीं। मानवाधिकार आयोग की टिप्पणी बिल्कुल सही है कि यह गहन मानवीय पीड़ा और संकट की स्थिति को दर्शाता है। यह छिपा नहीं है कि लापता हो जाने वाली महिलाएं, बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लोग मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी, यौन शोषण, देह व्यापार और अवैध अंग व्यापार जैसी आपराधिक गतिविधियों का शिकार हो जाते हैं। जाहिर है, यह सिर्फ बड़ी संख्या में रोजाना बच्चों, महिलाओं और अन्य लोगों के लापता होने का मामला नहीं, बल्कि इसका सिरा एक व्यापक और संगठित अपराध-तंत्र से जुड़ा दिखता है। विचित्र है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग लापता हो रहे हैं और हरियाणा सरकार और प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई होती नहीं दिखती।

किसान कार्यकर्ता, जिसने उम्मीद के बीज बोए

- बाबा मायाराम

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊबना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा-भरा भी कर लिया है। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है। लेकिन यह किसान सिर्फ खुद ही पौष्टिक अनाज की खेती नहीं करते, बल्कि एक संस्था से जुड़कर आदिवासियों को भी जैविक खेती के तौर-तरीके सिखा रहे हैं। यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह पूरी तरह जैविक है, श्रम आधारित है, और कम लागत वाली है, जो इस समय की जरूरत है। आज इस कॉलम में एक किसान कार्यकर्ता की लगन, जिद और मेहनत की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे बिना रासायनिक खेती की बारीकियां समझी जा सकें।अनूपपुर से मात्र 10 किलोमीटर दूर है जमूड़ी गांव, और यहीं है महेश शर्मा के परिवार की जमीन। कुछ समय पहले इस खेती को देखने के लिए मैं जमूड़ी गया। लम्बे अरसे से जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर महेश शर्मा काम कर रहे हैं।पहले वे छत्तीसगढ़ में खेती का काम कर रहे थे, जहां बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। जब संस्था के कार्यक्षेत्र का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हुआ, तब यहां भी खेती कार्यक्रम शुरू हो गया। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है, पर संस्था का मानना है कि सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं, उसकी रोकथाम भी जरूरी है। इसके लिए जैविक तरीके से पौष्टिक अनाजों व सब्जी बाड़ी की खेती पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोगों को पोषणयुक्त भोजन मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो।इसी के मद्देनजर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ प्रखंड में आदिवासियों के बीच पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।जैविक खेती करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार की जमूड़ी गांव में 5 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर उन्होंने 5 साल पहले खेती शुरू करना शुरु किया। इसके पहले यह जमीन बंजर पड़ी थी। लेकिन बहुत ही कम समय में उन्होंने इस जमीन को उपजाऊबना लिया है। और वह भी पूरी तरह जैविक तौर-तरीके अपनाकर।सबसे पहले मल्चिंग की, यानी हरी खाद से भूमि का ढकाव, जिससे जमीन उपजाऊहुई, हवादार, पोली और भुरभुरी हुई। और फिर इसमें कई तरह के फलदार पेड़ भी रोपे।वे आगे बतलाते हैं कि खेत में हरी सब्जियां व मसाले भी उगाते हैं। मड़िया, अरहर, तिल्ली, मूंगफली, अमाड़ी और धान इत्यादि भी लगाते हैं।उनके खेत में सब्जियों में लौकी, करेला, सेमी, बरबटी, भिंडी, बैंगन इत्यादि की खेती अच्छी होती है। उन्होंने अब घर के लिए सब्जियां व मसाले खरीदना बंद कर दिया है। राजगिरा, मिर्च, मैथी, धनिया, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि की फसलें होती हैं। और इन सबसे उनकी घर के खाने की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं।हल्दी और मडिया की बिक्री किसान मेलों में हो जाती है। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था मडिया के बिस्कुट भी बनाती है।उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ों में बड़ी संख्या में फलदार पेड़ भी लगाए हैं। अगर पेड़ होते हैं तो पक्षी आते हैं, और ये पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं।यहां अमरूद के 45 पेड़, नींबू के 4, आम के 11, सीताफल के 8, केले के 40, अनार के 5, महुआ के 15, पपीता के 12, और करौंदे के 20 पेड़ लगाए हैं। सेमरा के 100 से ज्यादा पेड़ लगाकर खेत की बागुड़ कर दी है।वे आगे बताते हैं कि महुआ फूल की बिक्री से ही उन्हें इस वर्ष 20 हजार रूपए मिले, जिससे उन्होंने देसी गोबर खाद खरीदा, और पूरी जुताई व बुआई करवाई। इस सबमें लगभग 15 हजार की राशि खर्च हुई। धान की खेती बिना रासायनिक खाद व बिना कीटनाशक के की है। यानी महुआ फूल बेचकर जो राशि मिली, उसी में पूरी खेती की लागत निकल गई।उनके पास दो कुआं हैं, दोनों ही सूख चुके थे, लेकिन जब तालाब बनाया तो दोनों ही कुएं फिर से पानीदार हो गए। अनूपपुर जिले की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य लगा हुआ है, जहां की तालाब संस्कृति प्रसिद्ध है। वहां एक गांव में कई तालाब होते हैं। महेश शर्मा इस संस्कृति से भलीभांति परिचित हैं, और इसलिए उन्होंने खेत का पानी खेत में रोकने का जतन किया। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है।वे बतलाते हैं कि जो पेड़ लगाए थे, वे अब फल देने लगे हैं। करौंदा में पहली बार फल आ गए हैं। अमरूद और पपीता फलने लगे हैं। खेत में बाजरा के भुट्टे लहरा रहे हैं। कुदरती तौर पर होनेवाली गूजा की हरी पत्तीदार साग हुई है। महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है, जहां कई तरह के देसी अनाजों के बीजों का संग्रह है। विशेषकर, देसी धान की कई किस्में उनके बीज बैंक में हैं। इसके अलावा, जैविक खेती के तौर-तरीकों का प्रशिक्षण भी देते हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के डॉ. पंकज तिवारी बतलाते हैं कि पुष्पराजगढ़ प्रखंड काफी पिछड़ा है और आदिवासी बहुल है। इस क्षेत्र के लोग ज्यादातर मजदूरी और खेती करके जीवनयापन करते हैं। यहां बच्चों में कुपोषण देखा जाता है।इसे दूर करने के लिए संस्था की ओर से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए झूलाघर की तरह फुलवारी संचालित की जाती हैं। इन फुलवारियों में हरी सब्जियां उगाई जाती हैं, जो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में शामिल की जाती हैं। इसके अलावा, किसानों को पौष्टिक अनाज की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस साल 85 किसानों ने जैविक खेती की है। इसके अलावा, इन्हीं किसानों के साथ मशरूम की खेती भी की जा रही है।

वे आगे बताते हैं कि सब्जी बाड़ी में लौकी, भिंडी, कद्दू, करेला, भटा और मिर्ची उगाई जाती है। अक्टूबर से फरवरी तक सब्जी बाड़ी से हरी सब्जियां मिलती हैं। सब्जी बाड़ी में अलग से पानी देने की जरूरत भी नहीं है। फुलवारी में बच्चों को जो हाथ धुलाने के लिए जो पानी इस्तेमाल होता है, उसी से सब्जी बाड़ी को पानी मिल जाता है। महेश शर्मा ने बताया कि महिला किसानों ने भी मडिया की खेती की है। उपरीकला की फुलवारी कार्यकर्ता लीलाबाई, प्यारी गांव की फुलवारी कार्यकर्ता कौशल्याबाई जैसी कई किसानों ने मडिया की खेती की है।

कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है महेश शर्मा व जन स्वास्थ्य सहयोग की पहल से देसी बीजों के साथ पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।इस खेती में खर्च न के बराबर है। न रासायनिक खाद की जरूरत और न ही कीटनाशक की। यह खेती पूरी तरह जैविक है।वृक्ष खेती यानी पेडों से जैव खाद मिलती है, पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं।खेत का पानी खेत में रोककर तालाब में बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा जा रहा है। इसमें भूजल उलीचने के लिए किसी भी प्रकार की बिजली, डीजल की जरूरत नहीं है।इसके अलावा, आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर-तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है।इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिससे जैव विविधता व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर, यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है

सरकारी फाइलों में ही क्यों दबा है शोर नियंत्रण का फरमान

जयप्रकाश सिंह

अस्पताल एवं स्कूल जैसे स्थानों को ध्वनि प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है।इसलिए इनके आसपास किसी भी तरह के शोर को प्रतिबंधित किया जाता है। चिंताजनक तस्वीर यह है कि राजस्थान के 95 फीसदी साइलेंस जोन में ध्वनि प्रदूषण को रोकना संभव नहीं हो पा रहा।विचारणीय तथ्य यह है कि राजस्थान के 36 शहरों में अस्पताल जैसे इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण गर्भस्थ और नवजात शिशुओं की दिल की धड़कनें बढ़ा रहा है।इनमें वाहनों के साथ-साथ डीजे के कानफोडू शोर को बड़ी वजह माना जा रहा है। कुछ समय पहले राज्य सरकार ने वाहनों पर लगे डीजे पर सख्ती से रोक लगा दी थी।कहने को तो रात दस बजे बाद डीजे के इस्तेमाल या तेज गाना बजाने पर रस्मी रोक पहले से ही जारी है। कागजी चेतावनी तो यह भी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर डीजे लगे वाहन व म्यूजिक सिस्टम तक जब्त कर लिए जाएंगे, लेकिन इनका कानफोडू शोर समस्या बना हुआ है। धार्मिक कार्यक्रम हो या फिर कोई मांगलिक मौका, ऐसा लगता है कि आयोजकों ने देर रात तक लोगों का सुख-चैन छीनने की कसम ले रखी है। उससे भी ज्यादा उन जिम्मेदारों ने जिनको सरकार के इस आदेश की पालना करानी है। विवाह समारोहों के दौर में सड़कों पर बड़ी संख्या में वाहनों पर लगे डीजे शहरों और गांवों में नजर आ रहे हैं। ज्यादा वक्त नहीं हुआ। करौली में हुए साम्प्रदायिक दंगों का घटनाक्रम लोग भूले नहीं होंगे।यहां भी साम्प्रदायिक दंगे की घटना के बाद सरकार ने डीजे पर रोक को लेकर सख्ती की थी। प्रशासन ने करौली में धार्मिक जुलूस पर पथराव की घटना में भी उन्माद की बड़ी वजह डीजे को ही माना था।प्रदेश में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम अहम मसला है जिस तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए। रात दस बजे बाद तेज आवाज में म्यूजिक बजने पर कार्रवाई का फरमान भला कागजों में ही कैद होकर क्यों रह जाता है? सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बारे में सख्त गाइड लाइन जारी कर रखी है, लेकिन नियमों के उल्लंघन पर शायद ही किसी के खिलाफ कार्रवाई होती है।हैरत की बात है कि डीजे के लिए वाहनों में मनमाना बदलाव तक कर लिया जाता है जबकि यातायात नियम इसकी अनुमति नहीं देते। बच्चों, बुजुर्गों और अस्पतालों में भर्ती दूसरे मरीजों के स्वास्थ्य को लेकर ध्वनि प्रदूषण बड़े खतरे के रूप में सामने आया है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में असुविधा कम नहीं होती है।ऐसे सभी मामलों को एक ही तराजू से तोला जाना चाहिए।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

गुरुग्राम में सम्मान उसका अधिकार अभियान का आयोजन

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम ने कमर्शियल व्हीकल चौक स्थित ऑटो स्टैंड पर सम्मान उसका अधिकार शीर्षक से एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलायों के सम्मान को प्रभावित करने वाले कानूनी अधिकारों और उपलब्ध विधिक उपायों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अधिवक्ता सुषमा यादव रहीं, जिन्होंने भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और धारा 79 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि ये अपराध महिला की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाते हैं, और कानून इन पर सख्त सजा का प्रावधान करता है। कानून हर महिला को सम्मान और सुरक्षा का अधिकार देता है, जिसे जानना और प्रयोग में लाना ज़रूरी है। नेहा चौधरी ने उत्पीडऩ के विभिन्न रूपों को पहचानने, शुरुआती संकेतों को समझने और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को निर्भीक होकर आवाज उठाने और उपलब्ध कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कमर्शियल व्हीकल चौक स्थित ऑटो स्टैंड पर बड़ी संख्या में ऑटो चालकों व स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलायों के सम्मान को प्रभावित करने वाले कानूनी अधिकारों और उपलब्ध विधिक उपायों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा चेयरमैन, डीएलएसए गुरुग्राम चन्द्रशेखर ने की।

अवैध हथियार सहित 2 युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने कार्यवाही कर अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियार सहित 2 आरोपियों को काबू किया है, जिनके कब्जे से 2 अवैध पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी राहुल को क्राइम यूनिट सिकन्दर ने थाना पालम विहार एरिया से एक देशी पिस्टल तथा सीआईए सोहना ने आरोपी अरमान को अंसल मोड सोहना थाना शहर सोहना एरिया से एक अवैध पिस्टल व एक जिंदा कारतूस सहित काबू किया है।

छीनाझपटी का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। बाईक पर सवार होकर मोबाईल फोन छीनने की वारदात को अंजाम देने के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी काबू कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सैक्टर 29 को एक व्यक्ति ने एक लिखित शिकायत दी कि एमजी रोड से बाइक पर सवार होकर आए व्यक्तियों द्वारा उसका मोबाइल फोन छीन लिया गया। थाना डीएलएफ सैक्टर 29 ने मामला दर्ज कर आरोपी राजकुमार को सैक्टर 31 से काबू कर लिया। एक आरोपी को पुलिस पहले ही काबू कर चुकी है।

4 जमानोत्तर अपराधी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने कार्यवाही कर 4 जमानोत्तर अपराधियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2022 में थाना उद्योग विहार में दर्ज मामले में आरोपी अजीम को, वर्ष 2019 में थाना सैक्टर 56 में दर्ज मामले में आरोपी सचिन को, वर्ष 2023 में था सदर सोहना में दर्ज मामले में आरोपी कृष्ण व वर्ष 2023 में थाना सदर सोहना में दर्ज मामले में आरोपी रामनिवास को अदालत द्वारा जमानत पर छोड़ा गया था और आगामी तारीख पेशी निश्चित करते हुए न्यायालय में पेश होने के आदेश दिए गए थे, किन्तु उपरोक्त आरोपी निश्चित की गई तारीख पेशियों पर अदालत के सम्मुख पेश न होने व अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर उपरोक्त आरोपियों को जमानोत्तर अपराधी घोषित किया गया था। सभी जमानोत्तर अपराधियों को पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा गिरफ्तार करके नीय अदालत के सम्मुख पेश किया गया।

यातायात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के संबंध मे वेल्फेयर मीटिंग का किया आयोजन

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ राजेश मोहन की अध्यक्षता में ट्रैफिक टावर गुरुग्राम में यातायात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के वेलफेयर के संबंध में मींटिंग आयोजित की गई, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पश्चिम जय सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पूर्व विरेन्द्र, 11 यातायात निरीक्षक, 17 जोनल अधिकारी सहित अन्य यातायात पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस उपायुक्त यातायात गुरुग्राम डॉ राजेश मोहन द्वारा सभी यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों से उनके वेलफेयर के संबंध मे उनसे सुझाव मांगे गए और किसी भी कर्मचारी को किसी प्रकार की वेलफेयर से संबंधित समस्या है तो उसे निसंकोच सांझा करने के बारे में आग्रह किया। इस दौरान उपस्थित सभी यातायात अधिकारियों व कर्मचारियों ने किसी भी प्रकार की वेलफेयर से संबंधित परेशानी होने बारे नही बतलाया। यदि भविष्य मे किसी भी यातायात पुलिस अधिकारी या कर्मचारी को वेलफेयर से संबंधित समस्या हो तो अवश्य संज्ञान मे लाए, ताकि उस समस्या का जल्द से जल्द निवारण किया जा सके। पुलिस उपायुक्त यातायात गुरुग्राम डॉ राजेश मोहन द्वारा मीटिंग में मौजूद सभी यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी को सच्ची निष्ठा, कर्मठता व ईमानदारी के साथ निर्वहन करने के आदेश/निर्देश दिए गए।

सेना के कड़े एक्शन के आगे पाकिस्तान ने तीन दिनों में घुटने टेके- योगेंद्र राणा

भारत अब आतंकवाद को कतई नहीं करेगा बर्दाश्त

असंध विधानसभा में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' का भव्य आयोजन

एजेंसी

करनाल। जिला की असंध विधानसभा में असंध विधायक योगेंद्र राणा के नेतृत्व में तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा÷ का आयोजन किया गया। यह भव्य यात्रा जुंडला अनाज मंडी से आरंभ होकर प्रजापत धर्मशाला तक निकाली गई। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता का उत्सव मनाना और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करना था। इस तिरंगा यात्रा में क्षेत्र के अनेक गांवों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हर हाथ में तिरंगा और हर चेहरे पर देशभक्ति की झलक देखने को मिली। यात्रा ने पूरे क्षेत्र में ऊर्जा और गौरव का संचार किया। यह यात्रा भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और बलिदान को समर्पित रही, जिसने देश के लिए सर्वोच्च त्याग देने वाले सैनिकों को नमन किया। यात्रा के दौरान विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि देश के कुशल नेतृत्व और सेना के कड़े एक्शन से पाकिस्तान तीन दिन के भीतर ही घुटनों पर आ गया। देश की सेना ने आतंकवादियों की मांद में घुसकर उनके ठिकानों को तबाह करने का काम किया है। विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि जब भी वक्त आया है तो देश की जनता ने एकजुट होकर दुश्मन को अपनी ताकत दिखाने का

काम किया है। उन्होंने वीर सैनिकों, वायुसेना, नौसेना और सभी सुरक्षा बलों के शौर्य की सराहना की। कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत ने कड़ा कदम उठाया है। भारत अब आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। आतंकवाद तथा उनके समर्थकों के लिए भी इस आपरेशन के माध्यम से साफ संदेश दे दिया गया है कि आतंकी कार्रवाई का जवाब किसी भी कीमत पर दिया जाएगा। इस मौके पर करनाल जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने इस आयोजन को राष्ट्र सेवा और जनजागरण का माध्यम बताते हुए कहा कि इस प्रकार की यात्राएं समाज में देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करती हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा रेवाड़ी जिला : डीसी अभिषेक मीणा

हविशि बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा परिणाम में रेवाड़ी जिला ने किया टॉप

एजेंसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि रेवाड़ी जिला शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की ओर से रविवार को जारी 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में रेवाड़ी जिला के विद्यार्थियों ने 96.85 पास प्रतिशत के साथ प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त कर जिला रेवाड़ी का नाम रोशन किया है। उन्होंने जिला की इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों, सभी अध्यापकों, परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी जिला की इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की कड़ी मेहनत, विद्यार्थियों द्वारा किए गए कठिन परिश्रम के साथ-साथ सरकार द्वारा बनाई गई शिक्षा नीति को भी जाता है। उन्होंने परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल और सुनहरे भविष्य की कामना की।

प्रदेश सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में उठाए प्रभावशाली कदम : डीसी अभिषेक मीणा

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरकारी व निजी स्कूल के बीच के अंतर को समाप्त करने की दिशा में विद्यार्थियों को टैबलेट उपलब्ध कराते हुए शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावशाली कदम उठाए हैं। डिजिटल युग में नवाचार पद्धति के साथ होने वाले अध्ययन व अध्यापन

कार्य से शैक्षणिक सुधार हो रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में शुरू की गई ई अधिगम योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल के कक्षा 10 से 12 तक के विद्यार्थियों व शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध कराते हुए सूचना क्रांति के दौर में प्रभावी कदम सरकार ने बढ़ाए हैं। उन्होंने बताया कि इस टैबलेट के साथ ही डेटा कनेक्टिविटी की सुविधा भी दी जा रही है। विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक से जोड़ते हुए टैबलेट देने में देश का पहला प्रदेश हरियाणा अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

असफल विद्यार्थी निराश ना हो, अधिक उत्साह व मेहनत के साथ परिश्रम करें : डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जो विद्यार्थी इस बार परीक्षा में सफल नहीं हुए वे निराश ना हो बल्कि और अधिक उत्साह व मेहनत के साथ परिश्रम करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से नौकरियों में भेदभाव, जात-पात व पर्ची-खर्ची की प्रथा को समाप्त कर मेरिट के आधार पर योग्य व सक्षम पात्रों को ही नौकरियां दी जा रही है।

भारतीय सेना के प्रहार से थर्राया पाकिस्तान, बढ़ा जवानों का सम्मान : अरविंद शर्मा

● भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व सहकारिता मंत्री की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

गोहाना। भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिन्दूर के तहत पाकिस्तान व पीओके में आतंकी ठिकानों को सटीक निशाने के साथ ध्वस्त करके जो शौर्य दिखाया था, उसके सम्मान में भाजपा द्वारा संगठनात्मक जिला गोहाना में निकाली गई तिरंगा यात्रा में कड़ी धूप के बीच हजारों नागरिकों ने सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

मोहन लाल बड़ौली की अगुवाई में अपनी भागीदारी करते हुए देशभक्ति की भावना का इजहार किया। गोहाना में राजकीय महिला महाविद्यालय मोड़ से प्रारंभ तिरंगा यात्रा की अगुवाई सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली द्वारा की गई। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए हजारों की भीड़ ने विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। आमजन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। आज हमारी सेना का जोश, जज्बा उच्च स्तर पर पहुंच चुका है। तकनीकी व मानसिक तौर पर मजबूत भारतीय सेना ने पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जो घिनौना कृत्य पहलगाम में किया गया था, उसके जवाब में भारतीय सेना के प्रहार से पाकिस्तान थर्राने पर विवश हो गया।

नूंह पुलिस ने भट्टे पर मजदूरी करते 23 बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार

बिना दस्तावेजों के नूंह में आकर रह रहा था परिवार, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के सदर थाना क्षेत्र से पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 23 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी एक स्थानीय गांव में स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरी का काम कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए नागरिकों में महिला और बच्चे भी शामिल है। पुलिस अब उक्त लोगों से पूछताछ कर रही है कि वह कैसे यहां तक पहुंचे है। पुलिस ने सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया है और पुलिस जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जिसमें नूंह के गांव बाजडका के बिहारी ईंट भट्टे से पकड़े गए सभी बंगलादेश के नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। नूंह सदर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि सभी लोग बिना वैध दस्तावेजों के जिले में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार इन बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ

नियमों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है, और यह पता लगाया जा रहा है कि ये लोग कब और कैसे अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने यह भी बताया कि जिले में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेंगी। पुलिस ने स्थानीय ईंट भट्टा मालिकों और अन्य व्यवसायियों से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं। पुलिस की इस कार्रवाई से सभी ईंट भट्टा मालिको में हड़कंप मच गया है। इतना ही नहीं पुलिस ने भी सभी भट्टा मालिको को निर्देश दिए हैं कि सभी भट्टा व कम्पनी मालिक अपने अपने कर्मचारियों की वेरिफिकेशन करा लें। वही थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि सभी गिरफ्तार किए गए बांग्लादेश के नागरिकों को कहा भेजा जाएगा,इसकी जांच के बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

निगमायुक्त ने किया निर्माणाधीन निगम कार्यालय भवन का दौरा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने महरोली रोड़ स्थित व्यापार सदन में बनाए जा रहे नगर निगम गुरुग्राम के निर्माणाधीन अत्याधुनिक कार्यालय भवन साइट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति का अवलोकन करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों व निर्माणकर्ता एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान भवन निर्माण बारे विस्तृत जानकारी ली। इस मौके पर निगमायुक्त को बताया गया कि इस भवन में तीन ब्लॉक बनाए जा रहे हैं तथा इसमें 3 बेसमेंट व 10 मंजिल होंगी। इसके प्रथम बेसमेंट में 110 कारों व 64 दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। इसके अलावा, दूसरे बेसमेंट में 137 कार व 117 दुपहिया वाहन तथा तीसरे बेसमेंट में 164 कार व 69 दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। ग्राऊंड फ्लोर पर 5 वाहनों की पार्किंग, नागरिक सुविधा केन्द्र, एग्जीबिशन एरिया, डाइनिंग, पब्लिक एमेनिटीज, एटीएम, डिस्पेंसरी, वेटिंग लाउंज व वीआईपी सूईट होंगे।

नूंह पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के नगीना थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव राजाका से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारत में पाकिस्तानी दूतावास में कर्मचारी दानिश को यहां की खुफिया जानकारी देता था। पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के लिए 6 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपी काफी समय से मेवात में बैठकर पाकिस्तान के लिए काम करता था। जानकारी यह भी है कि आरोपी गांव के पूर्व सरपंच का बेटा है। जो फिलहाल ड्राइवरी का काम करता है।नगीना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव राजाका का रहने वाला अरमान (23) पुत्र जमील पाकिस्तान के दुतावास के अधिकारियों को भारत की खुफिया जानकारी और सैन्य जानकारी मुहैया कराता है। सूचना के बाद पुलिस ने बीती रात आरोपी को गांव के ही समीप से गिरफ्तार किया है। आरोपी से एक फोन भी बरामद किया गया है जिसे जांच के लिए साइबर एक्सपर्ट के हवाले कर दिया गया है। आरोपी गाड़ी का ड्राइवर है,जो गाड़ी चलाता हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि फ्री टाइम में आरोपी खेती-बाड़ी का काम करता है।

अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया में दीवार निर्माण मंजूरी मिलने पर इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन ने मंत्री अनिल विज का जताया धन्यवाद

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के अम्बाला छावनी में एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन के सदस्यों ने आज अंबाला छावनी में हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज के आवास पर पहुंच इंडस्ट्रियल एरिया में चार दीवारी को मंजूरी दिलाने पर उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार जताया।एसोसिएशन के सदस्यों ने इस दौरान कहा कि कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रयासों से इंडस्ट्री एरिया को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। इस मौके उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्री को बचाने के लिए मंत्री अनिल विज ने अथक प्रयास किए जोकि अब रंग ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीवार के बनने से उनकी इंडस्ट्री को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। एसोसिएशन सदस्यों ने यह भी कहा कि अम्बाला छावनी पहले विकास के मामले में अछूता रहा, मगर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आज अम्बाला छावनी में इतने विकास कार्य करवा दिए है जिनका आने वाले दशकों तक जनता को भरपूर लाभ मिलेगा। इस अवसर पर इंडस्ट्री एसोसिएशन से आशावंत गुप्ता, एसके वधावन, आलोक गुप्ता, सुरेश धीमान, रवि

झाम्ब, साहिल जैन, सन्यम जैन, कंवलजीत जैन के अलावा लघु उद्योग भारती से शुभादेश मित्तल, विनोद बंसल, सुभाष धीमान, सुभाष मित्तल, मंगन रस्तोगी, कपिल वर्मा, महावीर जैन, प्रवीण जैन, संजीव आहूजा, वीरेंद्र वर्मा, राजिंद्र सिंह, रमन नागपाल एवं अन्य उद्योगपति मौजूद रहे। गौरतलब है कि कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रयासों से इंडस्ट्री एरिया के चारों ओर कंकरीट की दीवार बनाने के लिए 16.35 करोड़ रुपए की मंजूरी सरकार से मिल चुकी है। आरसीसी की कुल दो किलोमीटर लंबी चार दिवारी होगी जोकि सड़क के लेवल से छह फुट ऊंची होगी। पानी निकासी के लिए दो अतिरिक्त पंप भी इंडस्ट्री एरिया में मंत्री अनिल विज के प्रयासों से लगाए गए हैं।

जिला पुलिस महेन्द्रगढ़ द्वारा सीलिंग प्लान के तहत व्यापक वाहन चेकिंग अभियान

एजेंसी

नारनौल। जिला पुलिस महेन्द्रगढ़ द्वारा शुक्रवार शाम को सीलिंग प्लान के तहत जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर विशेष नाकाबंदी कर व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत, जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर नाके लगाए गए और नाकों पर तैनात पुलिस कर्मचारियों द्वारा सक्रिय रूप से चेकिंग और जांच की गई।

सीलिंग प्लान के अंतर्गत, जिला पुलिस के अधिकतम कर्मियों को नाका ड्यूटी पर तैनात किया गया था। चेकिंग टीमों ने दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, हल्के और भारी वाहनों की गहनता से जांच की। इस दौरान, नाकाबंदी स्थलों पर वाहनों की बारीकी से तलाशी ली गई और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के चालान भी काटे गए।

पुलिस प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशों के अनुपालन में यह सीलिंग प्लान पूरे

जिले में लागू किया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अपराधों की रोकथाम करना और किसी भी आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना है। सीलिंग प्लान के तहत, पुलिस अधीक्षक ने पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, पुलिस चौकी प्रभारियों और अपराध इकाइयों के इंचार्जों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे भविष्य में किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में सीलिंग प्लान के अनुसार कार्य करें। इसका लक्ष्य अपराधों को रोकना, अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करना और किसी भी आपात स्थिति से कुशलतापूर्वक निपटना है।

नांगल चौधरी मार्ग स्थित अनाज मंडी में पुलिस चौकी व बैंक शाखा खुलवाने की मांग को लेकर मार्केट कमेटी सचिव को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन नई मंडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान रामजीलाल मित्तल की अध्यक्षता में मार्केट कमेटी सचिव नूकुल यादव को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें नांगल चौधरी रोड स्थित अनाज मंडी में सुरक्षा की दृष्टि से एक पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग

की एवं व्यापारियों के वित्तीय लेन देन के लिए एक राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा खोलने की मांग की गई। प्रधान रामजीलाल मित्तल एवं प्रवक्ता बद्री प्रसाद गर्ग ने संयुक्त रूप से बताया कि नई अनाज मंडी शहर से काफी दूर हैं, व्यापारियों को पैसे निकालने के लिए शहर में जाना पड़ता है, जहां रास्ते में व्यापारी असुरक्षा की भावना महसूस करता है। मंडी परिसर में बैंक की शाखा खोलने से व्यापारियों को काफी राहत मिलेगी। सचिव नूकुल यादव ने आश्वासन दिया कि शीघ्र बैंकों से संपर्क कर शाखा खुलवाने का प्रयास किया जाएगा एवं पुलिस अधीक्षक से पुलिस चौकी खुलवाने के लिए निवेदन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर नूंह में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में नूंह अनाज मंडी से लेकर गौशाला रोड़ तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। इस यात्रा में हरियाणा वक्फ बोर्ड के एडमिनिस्ट्रेटर चौधरी ज़ाकिर हुसैन व भाजपा के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र पिंटू ने मुख्य रूप से भाग लिया। तिरंगा यात्रा में जिला प्रमुख जान मोहम्मद, हरियाणा हज कमेटी के पूर्व चेयरमैन चौधरी औरंगजेब,भानी राम मंगला, चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, भाजपा महासचिव जतिन बुसरी, मनीष यादव, संजय सिंगला पुनहाना,नगर परिषद चेयरमैन संजय मनोचा सहित काफी संख्या में नेता मौजूद रहे। नूंह की अनाज मंडी से शुरू होकर अड़बर चौक, तावडू रोड़, मेन बाज़ार से होते हुए नूंह की बड़ी मस्जिद से लेकर गौशाला रोड़ पर संपन्न हुई। यात्रा में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया और शहीदों के सम्मान में जमकर नारे लगाए। इस दौरान हरियाणा वक्फ़ बोर्ड के एडमिनिस्ट्रेटर चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों द्वारा देश के बेकसूर लोगों पर गोलियां चलाकर उनकी जान ली गई थी, जिसके बदले में हमारी देश की सेना ने सिंदूर ऑपरेशन चलाकर पाकिस्तान से बदला लेने का काम किया। चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि हमें हमारी सेना पर पूरा भरोसा है और हम अपनी सेना पर गर्व करते हैं कि उन्होंने हमारे मारे गए लोगों का बदला लेकर हमारा सर गर्व से ऊंचा किया है। आज पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। वहीं भाजपा के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पिंटू ने कहा कि देश की दो बेटियों ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर की कमान संभालकर आतंकवादियों और उनके ठिकानों को तहस नहस किया और देश के पहलगाम में मारे गए लोगों का बदला लिया।

शक्कर महंगी, खाद्य तेल में नरमी, दलहन, दाल मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर मांग से ऊंची बिकी। खाद्य तेलों में नरमी रही। आज पाम तेल नीचा बोला गया। तिलहन में लिवाली रही। दलहन मजबूत रहे। आज दालों में मांग रही। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना बाजार: सियागंज किराना बाजार में शक्कर मांग से महंगी बिकी। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ मजबूत रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया।

तेल-तिलहन: खाद्य तेलों में कमी दर्ज की गई। आज पाम तेल सस्ता हुआ। तिलहन में पूछपरख के चलते मजबूती रही।

दाल-दलहन: संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में मांग बनी रही।दालों में उठाव बना बताया गया। चावल में मजबूती दर्ज की गई।

यूएस से भेजे गए पैसे पर कर लगाने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार उस पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने की योजना बना रही है, जो विदेशी नागरिक अपने देशों में भेजते हैं। इस पर भारत में चिंता जताई जा रही है, क्योंकि इससे भारतीय परिवारों की आय पर असर पड सकता है। जीटीआरआई ने रविवार को यह बात कही। प्रतिनिधि सभा में 12 मई को एक विधेयक पेश किया गया था। जिसे 'द वन बिग ब्यूटीफुल बिल' कहा जा रहा है। इसमें गैर-निवासियों की ओर से अपने देशों में भेजे जा रहे पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान उन लोगों पर लागू होगा, जो अमेरिका के नागरिक नहीं हैं, जैसे ग्रीन कार्ड धारक या अस्थायी वीजा पर काम करने वाले लोग (जैसे H-1B या H-2A वीजा वाले)। यह कर अमेरिका के नागरिकों पर नहीं लगेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि यह प्रस्तावित कर भारत में चिंता का कारण बन रहा है, क्योंकि अगर यह कानून बनता है, तो भारत को हर साल अमेरिका से मिलने वाली मुद्रा में अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। इसने कहा, भारत के लिए यह अहम मामला है, क्योंकि देश को 2023-24 में 120 अरब डॉलर की रेमिटेंस हासिल हुई, जिसमें करीब 28 फीसदी अमेरिका से हासिल हुई।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था ट्रंप टैरिफ, भारत-पाकिस्तान तनाव, अमेरिका चीन टैरिफ मुद्दे पर पारस्परिक समझौता और यूक्रेन व रूस के शांति वार्तओं से जुड़ी खबरों की वजह से काफी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी बढ़ सकती है। हाल ही में क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। यह फिलहाल 63-64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की रेंज में कारोबार कर रहा है और मांग के कारण इसके आउटलुक दबाव में हैं। श्रीराम ग्रुप की वेटूवेल्थ ब्रोकर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि हाल ही में अमेरिका-ईरान प्रतिबंध कम करने से दोनों देशों में व्यापार होने की संभावनाओं बढं गई हैं। इससे ईरानी तेल निर्यात बढ़ने की भी उम्मीद है। इसकी वजह से अचानक अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में वृद्धि हुई । वहीं आईईए के संशोधित आपूर्ति पूर्वानुमान की वजह से कीमतों गिरावट आई है। भविष्य में मांग को लेकर आउटलुक दबाव में है। जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। एंजेल वन लिमिटेड के नॉन एग्री कमोडिटी उत्पाद और करेंसी विश्लेषक प्रथमेश माल्या कहते हैं, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। जिससे निवेशकों में अतिरिक्त आपूर्ति की चिंता बढ़ गई है।

जीटीआरआई ने कहा, एपल को भारत से निकालने के पीछे उच्च टैरिफ को लेकर दबाव बनाना चाहता है अमेरिका

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली एपल को भारत से निकालने के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को भारत पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है। ऐसे में ट्रंप चाहते हैं कि कुछ फैसला होने से पहले ही भारत पर टैरिफ को लेकर इस तरह से दबाव बनाया जाए। ग्लोबल ट्रेड इनिशिएटीव रिसर्च (जीटीआरआई) के मुताबिक, यह ट्रेड टैरिफ के मामले में भारत को दबाने की ट्रंप की चाल हो सकती है। ट्रंप ने टिम कुक से चीन से विनिर्माण इकाई को स्थानांतरित करने के लिए अभी तक नहीं कहा है, जबकि एपल 85 फीसदी आईफोन चीन में बनाती है। भारत का योगदान सिर्फ 15 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार, एपल विनिर्माण इकाइयों को बाहर ले जाती है तो इससे भारत को राजस्व का बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा। हालांकि, नौकरियों पर जरूर असर पड़ेगा, क्योंकि देश में सस्ते वेतन पर लोग मिल जाते हैं। इस फैसले से एपल को ही ज्यादा नुकसान हो सकता है। भारत प्रति आईफोन से 30 डॉलर कमाता है।

डीजीटीआर ने मनाई 8वीं वर्षगांठ, निष्पक्ष व्यापार के प्रति दोहराई अपनी प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया। डीजीटीआर ने यह जश्न भारतीय उद्योगों को अनुचित व्यापार प्रथाओं और आयात में अचानक वृद्धि से बचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए मनाया।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापार उपचार महानिदेशालय को उनकी 8वीं वर्षगांठ पर बधाई। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार व्यापार उपचार जांच में दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पेश करने के लिए एक डिजिटल मंच विकसित कर रही है। सरकार व्यापार समाधान जांच में ई-फाइलिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगी। मंत्रालय ने कहा इस मंच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता

और पहुंच में आसानी होगी। इस अवसर पर डीजीटीआर के महानिदेशक ने भारत के व्यापार उपचार पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता को बनाए रखने में संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि निदेशालय का मुख्य उद्देश्य समयबद्ध तरीके से जांच करके संवेदनशील क्षेत्रों को किसी भी निर्यातक देश से डंपिंग और सब्सिडी जैसे व्यापार उदारीकरण के प्रतिकूल प्रभाव से बचाना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में व्यापार उपचार महानिदेशालय को उनकी 8वीं वर्षगांठ पर बधाई दी। गोयल ने लिखा कि भारतीय उद्योग को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाने के लिए उनके अटूट समर्पण ने हमारे घरेलू खिलाड़ियों, विशेष रूप से हमारे छोटे व्यवसायों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया है। नियम-आधारित व्यापार को बढ़ावा देकर@DGTR_GOI हमारे व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि भारत ने 1995 से अब तक 1,200 से ज्यादा व्यापार उपचार जांचें शुरू की हैं और हाल ही में किए गए हस्तक्षेपों ने सौर ऊर्जा और उन्नत सामग्री जैसे कि सौर सेल और तांबे के तार की छड़ों सहित घरेलू क्षेत्रों को अनुचित मूल्य वाले आयात और सब्सिडी वाले सामानों से बचाया है। ये जांच वाणिज्य मंत्रालय की शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा की जाती है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 20 रुपये के नए नोट करेगा जारी

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही महात्मा गांधी (नई) सीरीज में 20 रुपये मूल्यवर्ग के नए बैंक नोट जारी करेगा। इन नोटों पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। आरबीआई ने जारी बयान में बताया है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट जारी किए जाएंगे, जिन पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। बयान के अनुसार इन नोटों का डिजाइन हर तरह से महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों जैसा ही है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा अतीत में जारी किए गए 20 रुपये मूल्यवर्ग के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। नए 20 रुपये के बैंक नोटों का डिजाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये के नोटों जैसा ही रहेगा। आरबीआई के मुताबिक डिजइन, रंग या सुरक्षा सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। बयान के मुताबिक रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए 20 रुपये के सभी पिछले संस्करण वैध मुद्रा माने जाते रहेंगे और नई श्रृंखला के

साथ प्रचलन में बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह अपडेट आरबीआई द्वारा नियमित रूप से जारी किए जाने वाले बैंक नोटों का हिस्सा है, जिसमें रिजर्व बैंक गवर्नर के हस्ताक्षर अपडेट किए गए हैं। आरबीआई के मुताबिक इससे बाजार में पहले से मौजूद उसी मूल्यवर्ग के मौजूदा 20 रुपये के करेंसी नोटों की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ता है।

मंत्री मनोहर लाल ब्राजील दौरे पर, ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल 19 मई को होने वाली ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। बैठक में भारत ऊर्जा क्षेत्र में पिछले दशक की अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करेगा। ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों के साथ समावेशी और सतत वैश्विक शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को सशक्त बनाना विषय के तहत ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में भारत पिछले दशक में अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जिसमें बिजली क्षमता में 90 फीसदी की वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन में नेतृत्व, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास शामिल है। इसके साथ ही देश ऊर्जा तक समान पहुंच

सुनिश्चित करने और ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा। बयान में कहा गया है कि मंत्री मनोहर लाल की यह यात्रा एक मजबूत, भविष्योन्मुख और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र के निर्माण में ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है।

डीपीआईआईटी ने जलवायु-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए जीईएपीपी से किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने देश के स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता में तेजी लाने के लिए ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट (जीईएपीपी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत जारंगल और जीईएपीपी के भारत उपाध्यक्ष सौरभ कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य भारत की नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप स्केलेबल, निवेश योग्य उपक्रमों की एक मजबूत पाइपलाइन बनाना है। इस समझौता ज्ञापन के तहत जीईएपीपी 'एनर्जी ट्रांजिशन इनोवेशन चैलेंज' (एंटाइस) पेश करेगा, जो एक प्रतिस्पर्धी मंच है। यह उच्च प्रभाव वाले समाधानों के लिए 5 लाख डॉलर तक का पुरस्कार प्रदान करता है। डीपीआईआईटी में संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह इम्पैक्ट और अवाना कैपिटल जैसे भागीदारों के माध्यम से निवेश सहायता भी सुगम बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि विस्तार के प्रावधान के साथ दो

साझेदारी स्वच्छ ऊर्जा स्टार्टअप के लिए देश के दीर्घकालिक शुद्ध-शून्य उद्देश्यों का समर्थन करने वाली प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर खोलेगी। स्पेक्ट्रम साल की साझेदारी, फंडिंग एक्सेस, मेंटरशिप, पायलट अवसरों और बाजार लिंकेज के माध्यम से शुरुआती चरण के जलवायु-तकनीक स्टार्टअप का समर्थन करेगी।

आईआईसीए और डीजीआर ने वरिष्ठों के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) और डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) ने वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ स्वतंत्र निदेशक के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्?न किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए।कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) के साथ मिलकर 5 से 16 मई, 2025 तक गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईआईसीए कैंपस में वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ विशेष प्रमाणन कार्यक्रम का दूसरे बैच का समापन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए। मंत्रालय ने

कहा कि प्रतिभागियों में एयर मार्शल, वाइस एडमिरल, रियर एडमिरल, एयर वाइस मार्शल, मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल और ग्रुप कैप्टन सहित अन्?य श्रेणियों के कुल 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने द्वि साप्ताहिक प्रमाणन कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान सभी ने अपने कॉर्पोरेट प्रशासन कौशल को बढ़ाने और सैन्य और कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रतिच्छेदन को समझने पर ध्यान केंद्रित किया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईसीए के डीजी एवं मुख्?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने की। समापन कार्यक्रम को लेफ्टिनेंट जनरल एसबीके सिंह, एसएम, डायरेक्टर जनरल, डीजीआर एंड वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन ने भी संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सशस्त्र बलों और कॉरपोरेट जगत में होने वाले अनुभवों के बीच समानताएं बताई। उन्होंने रेखांकित किया कि कॉरपोरेट में सुशासन के लिए आवश्यक शर्तें-नैतिकता और अखंडता, सशस्त्र बलों में पहले ही मौजूद हैं। आईआईसीए के डीजी एवं सीईओ ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने उभरते भारतीय कॉरपोरेट परिदृश्य में अनुभवी लोगों की ओर से निभाई जाने वाली अपेक्षित भूमिकाओं के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर

अमेरिकी क्रूड 1.41 प्रतिशत उबलकर 62.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 65.33 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंत्रिस्तरीय वार्ता आज से, गोयल करेंगे अगुवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर मंत्रिस्तरीय वार्ता वाशिंगटन डीसी में होगी। आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए होने वाली बैठकों में दोनों देशों के शीर्ष व्यापार और वाणिज्य अधिकारी शामिल होंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर पहले अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और बाद में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ प्रस्तावित व्?यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे। यह पीयूष गोयल की प्रस्तावित व्यापार समझौते

को लेकर अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इस वर्ष मार्च में वाणिज्य मंत्री ने ग्रीर और लुटनिक के साथ द्विपक्षीय बैठकें की थीं। 'बीटीए पर बातचीत को राजनीतिक दिशा देने के लिए दोनों देशों के मंत्री राजनीतिक स्तर की चर्चा करेंगे। इसके साथ ही वे पिछले दो महीनों में वार्ता में हुई प्रगति का आकलन भी करेंगे।' मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद 19 मई से 22 मई तक दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच विचार-विमर्श होगा। यह बैठकें ऐसे समय में होने जा रही हैं, जब दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने से पहले 'शीघ्र आपसी लाभ' हासिल करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था की संभावना तलाश रहे हैं। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने पिछले महीने वाशिंगटन में तीन दिवसीय विचार-विमर्श किया था। दोनों देशों के अधिकारी बीटीए पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 90 दिवसीय शुल्क विराम अवधि का लाभ उठाना चाहते हैं।

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर के स्ट्रॉबेरी की कीमतों में भारी गिरावट

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में सर्दियों के बाद सबसे पहले पकने वाला फल स्ट्रॉबेरी स्थानीय बाजारों में आ गया है, लेकिन किसानों के बीच इसको लेकर कोई खास उत्साह नहीं देखने को मिल रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कारण मांग और कीमतों में अचानक आई गिरावट ने स्ट्रॉबेरी उत्पादकों को इस समय घाटा उठाना पड़ रहा है। श्रीनगर के बाहरी इलाके हजरतबल के गुस्सो गांव के किसानों का कहना है कि पहलगाम की घटना ने स्ट्रॉबेरी बाजार पर बुरा असर डाला है। गुस्सो के किसान मंजूर अहमद ने कहा, ÷स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों को स्ट्रॉबेरी का बेसब्री से इंतजार रहता है और बाजार में शुरुआत में काफी उत्साह था, लेकिन पहलगाम की घटना ने रातों-रात सब कुछ बदल दिया। कीमतें गिर गईं और मांग खत्म हो गई।पिछले आठ वर्षों से स्ट्रॉबेरी की खेती कर रहे मंजूर ने बताया कि जो फल पहले 80 से 100 रुपये प्रति पेटी मिलता था, वह अब 40 रुपये में बिक रहा है। इसी तरह, बड़े बक्से जो कभी 600 रुपये में मिलते थे, अब 250 रुपये में बिक रहे हैं। उन्होंने कहा, इस फल की शेल्फ लाइफ बहुत कम होती है। एक बार कटाई के बाद केवल तीन से चार दिन ही इसे सुरक्षित रखा जा सकता है। हम इसे बर्बाद नहीं होने दे सकते हैं। उन्होंने भंडारण और परिवहन सुविधाओं की कमी पर निराशा व्यक्त की।कश्मीर में स्ट्रॉबेरी की खेती एक अपेक्षाकृत नई प्रथा है। श्रीनगर और गंदेरबल के कुछ हिस्सों में कई किसान पारंपरिक सब्जी की खेती से इस फसल की ओर रुख कर रहे हैं। गुस्सू घाटी में प्रमुख स्ट्रॉबेरी उत्पादक क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर में सालाना 300 मीट्रिक टन से अधिक स्ट्रॉबेरी का उत्पादन होता है। पिछले साल जम्मू- कश्मीर प्रशासन ने स्ट्रॉबेरी को जम्मू के बाजारों में ले जाने के लिए रेफ्रिजरेटेड वाहनों की व्यवस्था की थी, जिससे नुकसान को रोकने में मदद मिली। हालांकि, किसानों का आरोप है कि इस साल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। श्री मंजूर ने कहा, किसान असहाय हैं। कई लोग अब बार-बार होने वाली असफलताओं और सिकुड़ती कृषि भूमि के कारण स्ट्रॉबेरी की खेती को पूरी तरह से छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

एलपीजी पर तेल कंपनियों का घाटा लगभग 45फीसदी तक कम होने की उम्मीद, रिपोर्ट में बताया गया

एजेंसी

मुंबई। यह कारण अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहती हैं, तो तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को एलपीजी से होने वाले घाटे में वित्त वर्ष 26 में लगभग 45 प्रतिशत की कमी आ सकती है। केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगले वित्त वर्ष में संचयी एलपीजी अंडर-रिकवरी में काफी कमी आने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण उच्च खुदरा कीमतों और कम अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों का मिश्रण है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती हैं, तो संचयी रूप से, वित्त वर्ष 26 में एलपीजी अंडर-रिकवरी में 45फीसदी की कमी आने की उम्मीद है।' अंडर-रिकवरी तेल कंपनियों को होने वाले घाटे के बारे में बताती है। ये कंपनियां एलपीजी सिलेंडर को उनकी लागत मूल्य से कम पर बेचती हैं, ऐसा घरों में खाना पकाने की गैस को किफायती रखने के लिए किया जाता है। भारत में, लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी खपत घरेलू खाना पकाने के लिए उपयोग की जाती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत का उपयोग औद्योगिक, वाणिज्यिक और मोटर वाहन क्षेत्रों में किया जाता है। पिछले दस वर्षों में, घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 1 अप्रैल 2025 तक लगभग 33 करोड़ तक पहुंच गई है।

भारत ने बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स और प्रोसेस्ड फूड की एंट्री पर लगाया बैन

एजेंसी

नई दिल्ली।एक महत्वपूर्ण व्यापार नीति बदलाव के तहत भारत ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के माध्यम से देश में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्रोसेस्ड फूड और अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड जैसे कुछ सामानों के आयात पर भूमि बंदरगाह प्रतिबंध लगाते हुए एक अधिसूचना जारी की। डीजीएफटी ने अपनी अधिसूचना में कहा, हालांकि, इस तरह के बंदरगाह प्रतिबंध भारत से होकर गुजरने वाले बांग्लादेशी सामानों पर लागू नहीं होंगे, लेकिन नेपाल और भूटान के लिए आने वाले समान पर लागू होंगे। निर्देश के अनुसार, बांग्लादेश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट्स का आयात किसी भी भूमि बंदरगाह से नहीं किया जाएगा, हालांकि, इसे केवल न्हावा शेवा और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से अनुमति दी गई है। अन्य प्रतिबंध फल या फल के स्वाद वाले और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के आयात, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स, कपास और सूती धागे का वेस्ट, प्लास्टिक और पीवीसी तैयार माल और लकड़ी के फर्नीचर पर हैं। इन वस्तुओं को असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में किसी भी लैंड कस्टम स्टेशन (एलसीएस) या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी ।

साथ ही पश्चिम बंगाल में एलसीएस चंगराबांधा और फुलबारी से भी नुमति नहीं होगी। अधिसूचना में आगे लिखा गया है कि बंदरगाह प्रतिबंध बांग्लादेश से मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और क्रश्ड स्टोन के आयात पर लागू नहीं होते हैं। इससे पहले अप्रैल में बांग्लादेश सरकार ने राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) की अधिसूचना के माध्यम से भूमि बंदरगाहों के जरिए भारत से देश में यार्न के आयात पर प्रतिबंध लगाया था। बांग्लादेश के इस फैसले को देखते हुए ही भारत ने यह नया कदम उठाया है। भारत, बांग्लादेश के लिए ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को भी समाप्त कर चुका है। भारत चीन के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2022-23 में, बांग्लादेश-भारत व्यापार लगभग 16 बिलियन डॉलर का था। इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, बांग्लादेश ने लगभग 14 बिलियन डॉलर का सामान आयात किया, जबकि भारत को उसका निर्यात 2 बिलियन डॉलर रहा।

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े फाफ डुप्लेसिस और ट्रिस्टन स्टब्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे चरण से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान फाफ डुप्लेसिस और मिडल ऑर्डर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स फिर से स्क्वॉड में शामिल हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। फ्रेंचाइज़ी ने यह भी जानकारी दी कि ऑस्ट्रेलियाई पेसर मिचेल स्टार्क और साउथ अफ्रीकी ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। स्टार्क इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अब तक 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट झटके हैं। फ्रेंचाइज़ी ने दोनों खिलाड़ियों के फैसले का सम्मान करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस बीच बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से 18 से 24 मई तक के लिए दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलने की अनुमति मिल गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को मुस्तफिजुर को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया है, जो अब सीजन के बाकी मैचों के लिए अनुपलब्ध रहेंगे।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी से पहले रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने सीजन 12 के लिए रिटेन किये गए खिलाड़ियों की सूची जारी की। सीजन 12 की नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में आयोजित की जाएगी। अधिकांश फ्रेंचाइजियों ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को रिटेन किया है और अब वे आगामी सीजन के लिए और भी मजबूत टीम बनाने की तैयारी में हैं। प्रमुख रिटेन्ड खिलाड़ियों में यू मुंबा के सुनील कुमार और आमिर मोहम्मद जफरदानेश, हरियाणा स्टीलर्स के जयदीप दहिया, यूपी योद्धा के सुरेंदर गिल और पुनेरी पलटन के असलम इनामदार व मोहित गोयत शामिल हैं।

इस बार कुल 83 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रिटेन किया गया है:
25 खिलाड़ी 'एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स' श्रेणी में
23 खिलाड़ी 'रिटेन्ड यंग प्लेयर्स ' श्रेणी में
35 खिलाड़ी 'न्यू यंग प्लेयर्स' श्रेणी में

नीलामी में 500 से अधिक खिलाड़ी उतरेंगे, जिनमें भारत के नामी खिलाड़ी – पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल, आशु मलिक और पीकेएल 11 के टॉप रेडर देवांक दलाल शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के दिग्गज फजल अत्राचली और मोहम्मदरेजा शदलूई, साथ ही मनींदर सिंह और प्रदीप नरवाल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल होंगे।

सूर्यकुमार यादव का यह पूर्व सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली । भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने *IPL* 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह IPL करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है। भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ स्क्वॉड के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

विराट कोहली को सम्मान देने पहुंचे फैंस, आसमान में भी दिखा अद्भुत नजारा

एजेंसी

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच एक बार फिर शुरू हुआ। इसके बाद केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि बेंगलुरु की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह मैच भले ही न हो पाया हो, लेकिन होम टीम आरसीबी के फैंस अपने चहेते खिलाड़ी विराट कोहली को देखने बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस 18 नंबर की सफेद जर्सी पहने स्टेडियम में नजर आए, लेकिन बारिश के चलते वह अपने चहेते खिलाड़ी को खेलते हुए नहीं देख सके। दरअसल हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली पहली बार मैदान पर उतरने

वाले थे, इसलिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट को खास सम्मान देने के लिए फैंस सफेद जर्सी में आए थे। आरसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विराट को बड़ी संख्या में देखने पहुंचे फैंस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चिन्नास्वामी सफेद हो गया- किंग कोहली के टेस्ट करियर को सम्मान। फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को दिल को छू लेने वाला सम्मान देने के लिए, प्रशंसक न केवल बड़ी संख्या में बल्कि भावनाओं में भी दिखाई दिए, सफेद कपड़ों में लिपटे हुए - नारे लगाते हुए और विशेष बैनर के साथ, जिसने इस खेल में एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। दुनिया के सबसे चहेते क्रिकेटर विराट कोहली की विरासत का जश्न मनाया। आसमान में दिखा अद्भुत नजाराशोसल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बारिश के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के ऊपर से सफेद कबूतरों का एक झुंड जाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद फैंस कह रहे हैं कि देखो ये सफेद पक्षी भी कोहली के सम्मान में स्टेडियम आए हैं। पक्षियों के झुंड की यह छलक टीम ने भी अपने वीडियो में शेयर की है।

रोस्टन चेज़ बने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने स्पिन ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि जोमेल वॉरिकन को उनका डिप्टी बनाया गया। खास बात यह है कि चेज़ ने पिछले दो साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, बावजूद इसके उन्हें टीम की कमान सौंप दी गई है। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में बताया कि रोस्टन चेज़ को शुक्रवार को कप्तान नियुक्त किया गया। 33 वर्षीय चेज़ ने 32 वर्षीय क्रैग ब्रैथवेट की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में तीन साल तक कप्तानी संभालने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था। चेज़ जून और जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट चेज़ के होम ग्राउंड बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला जाएगा, जो उनके करियर का 50वां टेस्ट भी होगा। उन्होंने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था। सीडब्ल्यूआई ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के चयन को लेकर एक मजबूत डेटा-आधारित प्रक्रिया अपनाई, जिसके तहत छह खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों में जॉन कैंपबेल, टेवन इमलाक, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, रोस्टन चेज़ और जोमेल वॉरिकन के नाम शामिल थे। इन सभी उम्मीदवारों का मूल्यांकन कई प्रमुख पहलुओं पर किया गया, जिनमें टेस्ट अनुभव, नेतृत्व क्षमता और पूर्व कप्तानी रिकॉर्ड शामिल रहे। इसके बाद चयन प्रक्रिया में एक विस्तृत मूल्यांकन चरण शामिल किया गया, जिसमें नेतृत्व शैली, व्यवहार और भूमिका के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट भी शामिल था।

अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषी राय

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी। प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया । उन्होंने बताया कि आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए भारतीय पुलिस् गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है । इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे। वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया । कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं । इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है । भर्ती के पश्चात् भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी(असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस. एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अपना दबदबा यहां भी बनाए रखा । इस अद्वितीय प्रदर्शन को देखते हुये अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों ने वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए ऋषी राय का चयन भारतीय दल में कर लिया है । इस अवसर पर ऋषी राय को उत्तर प्रदेश के पुलिस् महानिदेशक (डी.जी.पी.) प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ में संम्मानित किया , इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूतपूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने ऋषी राय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया और विश्व दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं । इधर विश्व पुलिस् गेम्स के लिए भारतीय टीम में ऋषी के चयन की खबर पाते ही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी गैबिपुर में साथी खिलाड़ियों व अकादमी के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी , सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाइयाँ दीं , गाजीपुर ताईक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा.मुकेश सिंह ने कहा कि जनपद वापसी पर ऋषी राय को सम्मानित किया जाएगा ।

आईपीएल 2025 : बेंगलुरु-कोलकाता मुकाबला बिना टॉस के रद्द, प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई केकेआर

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 58वें मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी का सामना करना पड़ा। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण टॉस भी संभव नहीं हो सका और अंततः अंपायरों ने रात्रि 10:24 बजे मैच रद्द करने का निर्णय लिया।बारिश से मुकाबला रद्द होने के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक दिए गए। इस परिणाम ने आरसीबी को 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जबकि कोलकाता की प्लेऑफ की उम्मीदों पर पूर्णविराम लग गया। केकेआर 13 मैच में 12 अंक तक ही पहुंच सकी। एक ओर बेंगलुरु की टीम 17 अंकों के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने के काफी करीब पहुंच गई है। हालांकि उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हुई है, क्योंकि चार टीमों के पास अब भी 17 या उससे अधिक अंक अर्जित

करने का मौका है। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैच रद्द होने के बाद मिले एक अंक से करारा झटका लगा है। आईपीएल 2025 का 58वां मुकाबला धुलने के साथ ही डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी टूट गईं। अब कोलकाता नाइट राइडर्स 13 मैच में 5 जीत, 6 हार और 2 मैच का परिणाम नहीं निकलने के साथ 12 अंक लेकर छठे पायदान पर है। इससे पहले मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच भी मुकाबला रद्द रहा था।

भारत में पहली बार 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया' का आयोजन, एनआरएआई ने तय की प्रमुख रूपरेखा

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल रायफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित हुई, जिसमें 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई)' के पहले संस्करण के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया। यह लीग भारत में शूटिंग खेल को व्यावसायिक और पेशेवर मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है।बैठक में शासन संरचना, खेल प्रारूप, खिलाड़ियों की भर्ती व श्रेणियां, एजेंसियों की नियुक्ति, ब्रांडिंग और लोगो लॉन्च, तथा पुरस्कार राशि जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया गया। एसएलआई को एक पारदर्शी और संरचित शासन प्रणाली के अंतर्गत

चलाने का निर्णय लिया गया है, जिससे निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा और खेल की व्यापकता को नया आयाम मिलेगा।एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश सिंह देव ने कहा, एसएलआई एक ऐसा मंच बनेगा, जो शूटिंग जैसे ओलंपिक खेल को लीग प्रारूप की रोमांचक शैली में प्रस्तुत करेगा। यह लीग न केवल भारत के युवा निशानेबाजों को निखारेगी, बल्कि वैश्विक मंच पर भी इस खेल की पहचान को मजबूती देगी। पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी लीग की परिकल्पना की गई है।

प्रमुख निर्णय और विशेषताएं

-लीग का आयोजन 20 नवंबर से 02 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

-उद्घाटन समारोह 20 नवंबर को होगा, जबकि लीग स्टेज 21 से 26 नवंबर तक चलेगी।

-आठ टीमें, दो ग्रुप में विभाजित होंगी। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

-शूटिंग के वर्ग 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल, 10 मीटर और 50 मीटर 3-पोजिशन रायफल, ट्रैप और स्कीट (शॉटगन)।

हिमाचल की हरलीन दयोल बीसीसीआई के हाई परफॉर्मेंस कैम्प के लिए चयनित

एजेंसी

धर्मशाला। बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट कैंप के लिए महिला वर्ग में हिमाचल की हरलीन दयोल का चयन हुआ है। हिमाचल की हरलीन दयोल यहां से एकमात्र क्रिकेटर हैं जिनका चयन इस कैम्प के लिए किया गया है। इस कैंप का आयोजन दो हिस्सों में किया गया है। पहला कैम्प 19 मई से लेकर 2 जून तक जबकि दूसरी बार 2 जुलाई से 11 जुलाई के बीच बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। उधर हिमाचल की हरलीन के चयन पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अवनीश परमार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि एचपीसीए द्वारा खिलाड़ियों के लिए दी जा रही आधुनिक और बेहतर सुविधाओं के चलते ही हिमाचल के क्रिकेटर इस तरह के कैंप के लिए चयनित हो रहे हैं।

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का दावा- ब्रेक के बाद भी नहीं टूटी टीम की लय

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में आगामी मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कल होने वाले मैच से पहले तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम ने सप्ताहभर के ब्रेक के बाद भी अपनी लय नहीं खोई है, बल्कि खिलाड़ी और अधिक ताजगी के साथ लौटे हैं।

होप्स ने कहा, हमें थोड़ी चिंता थी कि टीम दोबारा कैसे एकजुट होगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों में हमने जिस तरह अभ्यास किया है। उससे साफ है कि हमारी लय में कोई कमी नहीं आई है। वास्तव में, कुछ खिलाड़ी घर जाकर तरोताजा होकर लौटे हैं, जो हमारे लिए फायदेमंद है। रणनीति में कोई बड़ा बदलाव नहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या रणनीति में कोई बदलाव देखने को मिलेगा,

तो उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अपनी मौजूदा संरचना के साथ ही मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा, चाहे खिलाड़ी बदले हों, लेकिन खेलने का तरीका वही रहेगा। यह ब्रेक अप्रत्याशित था, लेकिन हम इसके सकारात्मक पहलुओं को देख रहे हैं।

निडर युवा खिलाड़ियों की तारीफः होप्स ने युवा भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उनकी निडरता उन्हें और भी खतरनाक बनाती है। इन युवाओं के पास खोने को कुछ नहीं है और उनके पास भय का कोई नामोनिशान नहीं है। इस सीजन में कई युवा खिलाड़ी, चाहे वे हमारी टीम में हों या विरोधियों की, टूर्नामेंट में छा गए हैं। अब पंजाब किंग्स अपने शेष घरेलू मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में खेलेगी। जब उनसे वहां की पिच पर टीम की रणनीति के बारे में पूछा गया, तो होप्स ने कहा, ÷हमारे पास तेज गेंदबाजों की मजबूत लाइनअप है, लेकिन अगर पिच स्पिन के अनुकूल हुई तो हमारे पास कुशल स्पिनर भी मौजूद हैं। हमने ऐसी टीम तैयार की है जो हर परिस्थिति में खेलने में सक्षम हो।

विराट ने इतना बड़ा फैसला लिया, उन्होंने किसी से बात तो की होगी : ईशांत शर्मा

मुंबई । विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए इशांत ने कहा कि वह इस फैसले से हैरान हैं खासकर उनकी की शानदार फिटनेस देखते हुए। इशांत ने कहा कि वह परिपक्व हैं। उन्हें पता है कि वह क्या कर रहे हैं। उनके संन्यास लेने के बाद मैंने उनसे बात नहीं की। लेकिन हर कोई जानता है कि जब तक आप खेल रहे हैं, तब तक जितना संभव हो उतना सामान्य रहना महत्वपूर्ण है। इसलिए विराट के साथ मेरी दोस्ती है। हमने कभी भी किसी चीज को थोपने की कोशिश नहीं की है। इशांत ने यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हम इंसान हैं। और हम अच्छे दोस्त हैं। वह जानते हैं कि उन्हें जीवन में क्या चाहिए और उन्होंने किसी से बात की होगी।

हॉकी इंडिया ने चार देशों के टूर्नामेंट के लिए घोषित की जूनियर महिला हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के रोसारियो में 25 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम की कप्तानी गोलकीपर निधि को सौंपी गई है, जबकि हिना बानो उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह टूर्नामेंट भारत के लिए आगामी जूनियर वर्ल्ड कप (दिसंबर 2025) की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टूर्नामेंट में भारत, अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी, जहां हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। इससे भारतीय टीम को अपनी रणनीतियों को परखने और टीम संयोजन को मजबूत करने का मौका मिलेगा।भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडकर ने कहा कि हम इस दौरे के जरिए अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं, खासकर जब जूनियर वर्ल्ड कप सिर्फ छह महीने दूर है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को

अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा, जो उनके विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम इन खिलाड़ियों को भविष्य में सीनियर टीम में शामिल करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इसके लिए वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है।भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली के खिलाफ खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 26 मई को उरुग्वे, 28 मई को अर्जेंटीना, फिर 30 मई को चिली, 01 जून को उरुग्वे और 02 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। टीम अन्य दोनों देशों से भी दो-दो मैच खेलेगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर : निधि (कप्तान), एंगल हर्षा रानी मिंज।

डिफेंडर : ममिता ओराम, लालथनत्लुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी, साक्षी शुक्ला।

मिडफील्डर : प्रियंका यादव, अनीशा साहू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, खाइदम शिलैमा चानू, संजना होरो, सुप्रिया कुजुर, प्रियांका डोगरा।

फॉरवर्ड : हिना बानो (उपकप्तान),सोनम, सुखवीर कौर, गीता यादव, लालरिनपुई, कनिका सिवाच, कर्मनप्रीत कौर।

स्टैंडबाय खिलाड़ी : विद्याश्री वी, हुडा खान, मुनमुनी दास, सेलस्टिना होरो

हरीथ नोआ विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप से करेंगे वापसी

एजेंसी

सन सिटी । भारत के प्रसिद्ध रैली रेड मोटरसाइकिल चालक हरीथ नोआ एक बार फिर प्रतिस्पर्धी रेस में लौटने को तैयार हैं। वे 18 से 24 मई तक सन सिटी पर्यटन स्थल से शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीकी सफारी रैली में भाग लेंगे, जो अंतरराष्ट्रीय मोटर स्पर्धा महासंघ की विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप 2025 का तीसरा चरण है। डकार रैली 2025 के दौरान लगी गंभीर चोट के बाद यह उनकी पहली प्रतिस्पर्धात्मक भागीदारी होगी। शेरको टीवीएस रैली फैक्टरी टीम के प्रमुख सदस्य नोआ को जनवरी 2025 में डकार रैली के प्रारंभिक चरण में दुर्घटना का सामना करना पड़ा था, जिसमें उनके हाथ की हड्डी टूट गई थी। हालांकि उन्होंने वह चरण पूरा किया, लेकिन बाद की

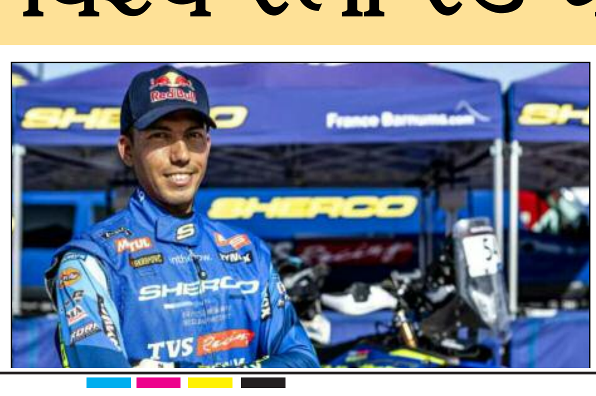

जांच में चोट की पुष्टि हुई और शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ी। अब चार महीने बाद, उन्होंने चोट से पूरी तरह उबरकर रेसिंग में लौटने की घोषणा की है। उन्होंने एक बयान में कहा, चोट के बाद मुझे स्वस्थ होने में समय लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह ठीक हूं। यह मेरी उस दुर्घटना के बाद पहली दौड़ है, इसलिए थोड़ी चिंता स्वाभाविक है। परंतु इस समय सबसे ज़रूरी है शांत रहना और मोटरसाइकिल के साथ फिर से तालमेल बनाना। यह पहली बार है जब विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप का कोई चरण दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहा है, जिससे यह रैली ऐतिहासिक बन गई है। विविध प्रकार के मार्ग, कठोर भू-भाग और तेजी से बदलते मौसम के कारण यह प्रतियोगिता न केवल रोमांचक है, बल्कि चालकों के लिए एक कठिन परीक्षा भी है। विश्व रैली रेड चैम्पियनशिप 2025 में कुल पांच चरण शामिल हैं, जो तीन महाद्वीपों में आयोजित हो रहे हैं, जिनमें पहला है, डकार रैली (सऊदी अरब), दूसरा है अबू धाबी रेगिस्तानी चुनौती, तीसरा है, दक्षिण अफ्रीकी सफारी रैली, चौथा है बीपी अल्टिमेट रैली रेड (पुर्तगाल, सितंबर) और पांचवां और अंतिम है रैली डू मोरक्को (अक्टूबर)। नोआ की वापसी केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय मोटरस्पर्धा के लिए भी गौरव का विषय है। इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारतीय प्रतिभागिता से भारत की पहचान वैश्विक स्तर पर और सशक्त होती है।

चमक रहे बरकरार

रॉयल लुक देने वाली पर्ल जूलरी को करीने से संभालकर रखना बेहद जरूरी है, तभी इसकी सुंदरता और चमक लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। पर्ल ऑर्गनिक मैटीरियल से तैयार किया जाते हैं। इसमें गोल्ड व सिल्वर का इस्तेमाल भी खूब होता है। लंबे समय तक इनकी शाइनिंग बरकरार रखने के लिए इन्हें डस्ट, स्क्रेच व दूसरे डैमेज से बचाना जरूरी होता है। यदि आप पर्ल जूलरी पहनी हो, तो डिटर्जेंट का इस्तेमाल अवॉइड करें। बेकिंग सोडा और ब्लीच का यूज भी ना करें। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स पर्ल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहे। सफाई के लिए मुलायम कपड़े का ही इस्तेमाल करें। यह पर्ल को नुकसान पहुंचाए बिना ही डस्ट हटा देगा। जब भी परफ्यूम और हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें, तो ध्यान रखें कि इसे जूलरी पर न छिड़कें। इससे इसका कलर जाने की संभावना बनी रहती है। मेकअप पूरा होने के बाद ही जूलरी पहनें वरना मेकअप का कलर जूलरी में लग सकता है। पर्ल जूलरी को मेटलिक जूलरी के साथ ना रखें, बल्कि इसे एक मुलायम कपड़े में लपेट कर रखें। नहाते समय जूलरी निकाल दें, क्योंकि पानी का क्लोरीन पर्ल के लिए बेहद नुकसानदेह होता है।

रूप मेरा सलोना

खूबसूरत त्वचा हर किसी को अपनी ओर अट्रैक्ट करती है, लेकिन सभी की त्वचा खूबसूरत नहीं होती। किसी की खुरदरी तो किसी की बहुत ज्यादा तैलीय होती है। अपनी त्वचा को कुछ खास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन का पूरा-पूरा ख्याल रखें। वैसे भी आजकल वातारण में प्रदूषण बहुत अधिक है। जो स्किन प्रॉब्लम्स के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में चाहें तो कुछ फेशियल ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी त्वचा के लिए लाभकारी हो सकते हैं। आजकल मार्केट में बहुत से फेशियल्स हैं, लेकिन सबसे खास है हर्बल फेशियल। यह स्किन पर एक अलग तरह का ग्लो ला देते हैं, जिससे चेहरा खिल-खिल जाता है।

क्लीजिंग

हर्बल फेशियल में खीरा, गुलाब, नींबू और चंदन आदि मिला होता है। घरेलू हर्बल फेशियल आप घर पर भी कर सकती हैं। यदि आप घर में ही फेशियल कर रही हैं तो क्लीजिंग के लिए एक टेबल स्पून चावल के आटे में दो टेबल स्पून दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर अच्छी तरह मलें, फिर चेहरा ताजे पानी से धो लें।

जरूरी है मालिश

क्लीजिंग के बाद फेस की मसाज करें। मालिश के लिए मलाई में कुछह बूंदे बादाम का तेल मिलाकर प्रयोग करें। मालिश गर्दन से शुरू करके ठुड्डी, मुंह, नाक, गाल और माथे पर करें। मालिश हमेशा हल्के हाथ से नीचे से ऊपर की ओर तथा गोल-गोल घुमाते हुए करें। इस क्रिया से रक्त संचार बढ़ेगा तथा आप अपने को तनावमुक्त महसूस करेंगी। अंत में अंगुलियों के पोरों से पूरे चेहरे को थपथपाएं।

स्टीम

मसाज के बाद स्टीम लें। बाउल में पानी उबालकर थोड़े नीम के पत्ते भी डाल दें। फिर स्टीम लें। नीम की भाप आपकी स्किन को काफी फायदा पहुंचाएगी। इसके बाद ब्लैकहेड रिमूवर की सहायता से ब्लैकहेड्स निकालें। अब तौलिए से चेहरा पोंछकर फेसपैक लगाएं।

होममेड फेसपैक

हमेशा ध्यान दें कि आपकी स्किन का टाइप क्या है, उसको देखकर ही फेस पैक लगाएं—

ड्राय स्किन के लिए: दो टेबलस्पून मसूर दाल को बारीक पीसकर उसके आटे में थोड़ा सा जैतून का तेल व ग्लिसरीन मिलाकर पेस्ट बना लें और लगाएं। इससे रूखी त्वचा में निखार आ जाता है।

नॉर्मल स्किन के लिए: एक चम्मच ऑरेंज पील पाउडर एवं गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से लगाएं। लगाने के बाद इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

चाहे कोई भी मौसम हो, त्वचा और बालों की बारह महीने, तीसों दिन देखभाल करनी पड़ती है। नहीं तो चांद सा सुंदर चेहरा आंखों का रंग सुनहरा धूमिल पड़ने लगता है। यदि इसे बरकरार रखना है तो हमेशा इसका ध्यान रखना पड़ेगा। और समय समय पर प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रखने के लिए प्रकृति के रंगों को चुनना होगा।

कूल शर्ट्स

फैशन के रंग मौसम की रंगत के साथ बदलने लगते हैं और गर्मी का मौसम इसके लिहाज से सबसे मुफीद होता है। इन गर्मियों में नॉटिका के स्प्रिंग कलेक्शन से आप अपने वार्डरोब को कूल और ट्रेंडी बना सकते हैं। वॉटर, पीपल और आर्किटेक्चर के स्पिरिट से इंस्पायर्ड ये शर्ट्स हर अकेजन के लिए फिट हैं। सिग्नेचर नेवी, सेल वाइट, नून ब्लू और यलो जैसे शेड्स वाली ये शर्ट्स आपको क्लीन लुक दे सकती हैं।

तोहफों का अपना महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जूतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑपशन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फूटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं,और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को स्केटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

कमिटमेंट मेरे प्यार का

किसी से प्यार करती हैं, तो शादी का इरादा भी रखती होंगी। अगर अपने प्रियतम के साथ आप सात जन्मों का कमिटमेंट चाहती हैं, तो इन बातों को फॉलों कर अपने रिश्तों में गहराई ला सकती हैं।

कोई आपको पहले से हो या आप किसी को प्रपोज करने की सोच रहीं हो। क्या आप उसे लेकर इतनी सीरियस हैं कि शादी के बारे में सोचें? हो सकता है कि आपको सवाल थोड़ा अजीब लगे, लेकिन एक बार इस पर भी विचार करके जरूर देखें। गौरतलब है कि आपके प्यार का रिश्ता एक तरह से आपकी सोसाइटी का आधार है। इसकी थीम है 'लव वन-अनदर' यानी एक-दूसरे की कमियों को एक्सेप्ट करके अपने पार्टनर को प्यार करना। बेशक 'हैपिली मैरिड' का कॉन्सेप्ट इसी थीम पर टिका है, जहां आप दूसरे को इस हद तक स्वीकार करें कि उसकी कमियों के साथ चलने में आपको कोई प्रॉब्लम न हो।

कसौटी रिश्तों की

तमाम बदलावों के साथ रिश्तों की कसौटियां भी चेंज हुई हैं। जाहिर है कि मैरिज को भी हम इससे बचाकर नहीं चल सकते। तनाव, कमिटमेंट से घबराहट, कैरियर में आगे बढ़ने की चाह जैसे तमाम कारण हैं, जो लोगों को शादी में सेटल होने नहीं दे रहे हैं। यदि ऐसे में आप एक दूसरे की भावनाओं को समझ-बूझकर हर कदम को चलें। मनोवैज्ञानिक इसे आने वाले समय की बड़ी जरूरत बताते हैं और इसे प्रमोट करने की फेवर में हैं। आजकल की जेनरेशन अपने कैरियर और फाइनैंशियल प्लानिंग में इतनी बिजी है कि शादी के पॉजिटिव इंपैक्ट उसे नजर ही नहीं आते। हालांकि वैलंटाइंस डे और डेटिंग के लिए तमाम ऑप्शंस होने के बावजूद वे अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में वर्तमान में वर्ल्ड मैरिज डे जैसे मौके उन्हें रिश्तों को नए सिरे से समझा सकते हैं। वैसे, इस तरह ग्लोबलाइजेशन के दौर में हमारी इंडियन 'फैमिली वैल्यूज' और 'हैपी मैरिड कपल्स' की परंपरा को भी वर्ल्ड फोरम में नई पहचान मिल सकेगी।

पश्चिम का दिख रहा असर

भले ही रिलेशंस को लेकर खुले नजरिए और डिवोर्स केसेज के बढ़ते रेट्स को विदेश की देन माना जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वहां सब कुछ खराब ही है। बल्कि वहां से भी कुछ बातों को सीखी ही जा सकती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. निशा खन्ना कहती हैं, 'इस मुद्दे को कल्चरल इम्पैक्ट के तौर पर ना देखा जाए। दरअसल, सभी अपनी जरूरत के हिसाब से ही किसी चीज को अपनाते हैं। जब वहां शादियों में प्रॉब्लम्स आनी शुरू हुईं और पार्टनर्स के बीच डिफरेंसेज बढ़ने लगे, तो भारत ने भी एक दिन जो फरवरी के दूसरे हफ्ते के रविवार को आता है को चुन लिया। हालांकि वहां किसी रिलेशनशिप एक्सपर्ट के पास जाना भी कोई टैबू नहीं है, लेकिन यहां किसी को ऐसी सलाह देने का मतलब है बुराई मोल लेना। बेशक अगर हम प्यार करने का तरीका वेस्ट से ले सकते हैं, तो रिलेशंस को ठीक रखने के लिए एक बार उनके तरीके पर नजर तो डाल ही सकते हैं। हालांकि यह किसी पहल की तैयारी नहीं है, बल्कि मुद्दा है एक प्यार भरे रिश्ते की मिठास व गर्माहट को बरकरार रखना। फिर देश या कल्चर कोई भी हो, यह बात सभी जगह कॉमन है कि बिना इमोशनल सैटिस्फैक्शन के जिंदगी कभी पूरी नहीं होती।

रिश्ते फीलिंग से नहीं चलते

यह बात पूरी तरह सही है कि वैलेंटाइंस डे जैसे दिन हमें अपने इमोशंस को पहचानना व एक्सप्रेस करना सिखाते हैं। लेकिन रिश्ते में सिर्फ फीलिंग्स होना ही काफी नहीं है, बल्कि इसे निभाने के लिए आपके पास कमिटमेंट के साथ सही अप्रोच भी होनी चाहिए। इसी तरह ही हम रिलेशंस की मिठास व अहमियत को जान पाते हैं और ऐसे में समय-समय पर एक दूसरे के साथ कुछ पल बीताना तथा अपनी यादों को उत्सव के तौर पर जीना भी सही है। कॉल सेंटर एंप्लॉई रीना बतरा शादी को एक्सेप्टेंस फैक्टर से जोड़ती हैं। उनके मुताबिक, विवाह और हमारे रिश्ते इस बात का अहसास करवाने के लिए हैं कि आपको शादी प्यार के आगे की एक कड़ी है। उनका कहती हैं, 'मैं अपने पैरंट्स की लाइफ देखकर यही सोचती हूं कि क्या मुझे इतने एक्सेप्टिंग नेचर की लाइफ पार्टनर मिलेगा। ऐसे में मैं मानती हूं कि रिलेशन में कमिटमेंट होना चाहिए।

Cannes 2025 में पहुंचीं

जैकलीन फर्नांडीज

ने खोले बॉलीवुड के राज, बोलीं- 'जैसी दिखती हूं वैसे रोल मिलते हैं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने Cannes Film Festival 2025 की रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा. लेकिन इस दौरान कान में शामिल होने पहुंची जैकलीन ने बॉलीवुड को लेकर वहां कई खुलासे भी किए. साथ ही उन्होंने खुद को लेकर बॉलीवुड में लोगों का नजरिए पर भी बात की. कांस में जैकलीन ने इंडस्ट्री को लेकर कुछ ऐसा बोला है, जिसकी अब हर जगह चर्चा हो रही है.जैकलीन फर्नांडीज ने बॉलीवुड में आज अपना एक अलग मुकाम हासिल कर लिया है. जैकलीन ने हाल ही में बॉलीवुड को लेकर अपने विचार रखे. कहा कि उन्हें बॉलीवुड में स्टीरियोटाइप किया गया है.

'मुझे स्टीरियोटाइप कर दिया'

कान में पहुंचीं जैकलीन ने द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत की. इस बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कभी-कभी इसे गलत तरीके से समझा जाता है. लोगों ने मेरे लिए किसी एक पर्टीकुलर रोल को सही समझा और फिर उसी में स्टीरियोटाइप कर दिया. उनको लगता है कि यही मुझपर सूट करता है. यही मेरी जर्नी रही है. ये बात सच है कि मैं लोगों की बहुत शुक्रगुजार हूं, क्योंकि मैं आज यहां तक आ पाई हूं और इस मुकाम पर हूं. मैं खुश हूं कि मुझे कम से कम ये मौका मिला कि मैं इंडस्ट्री के बड़े टैलेंट्स के साथ काम कर सकती हूं.'

'जैसी दिखती हूं वैसे ही रोल मिलते हैं'

जैकलीन ने आगे कहा, 'हालांकि, मैं और भी अच्छा काम कर सकती हूं. मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं, सीखना चाहती हूं, ऊपर उठना चाहती हूं, मैं एक्सप्लोर करना चाहती हूं. हम सभी को ये सब करने का अधिकार भी है. लेकिन यहां इंडस्ट्री में सिर्फ आपके व्यक्तित्व को देखकर आपको काम दिया जाता है. मैं जैसी दिखती हूं मुझे वैसे ही रोल भी दिए जाते हैं. कुछ अलग और ज्यादा करने का मौका नहीं मिलता है.' 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में पहुंची जैकलीन का लुक काफी चर्चाओं में रहा. हालांकि, जैकलीन का इस बार कान में यह पहला मौका नहीं है. वो इससे पहले भी नजर आ चुकी हैं. कान में अपने डेब्यू को लेकर जैकलीन ने कहा कि उनके डेब्यू को किसी ने कवर नहीं किया.

3 साल की तब्बू और उनकी मां को छोड़कर चले गए थे पिता, एक्ट्रेस बोलीं- पापा से प्यार नहीं है

90 के दशक में कई अभिनेत्रियों ने अपनी बेहतरीन अदाकारी के दम पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को गुलजार किया. तब्बू भी उन्हीं हसीनाओं में शामिल हैं. तब्बू ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साउथ सिनेमा से किया था, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में अपने कदम फिल्म 'प्रेम' के जरिए रखे थे. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. तब्बू ने अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीता. लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियों में रहीं.तब्बू 53 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं. कथित तौर पर उनका साउथ सुपरस्टार नागार्जुन से लंबा अफेयर चला था. फिर भी एक्ट्रेस के प्यार को मंजिल नहीं मिल पाई. उनकी लाइफ में इसके बाद प्यार का कॉलम खाली रहा. लेकिन एक्ट्रेस को अपने जीवन में पिता के होते सोते भी पिता का प्यार नहीं मिला. तब्बू के दिल में उनके पिता के लिए आज भी नफरत है. आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि आखिर इसके पीछे की वजह क्या है.

घर छोड़कर चले गए थे तब्बू के पिता

4 नवंबर, 1971 को हैदराबाद में जन्मीं तब्बू के पिता का नाम जमाल अली हाशमी और मां का नाम रिजवाना है. लेकिन बचपन में ही एक्ट्रेस को बड़ा दर्ज झेलना पड़ा था. दरअसल जब एक्ट्रेस सिर्फ तीन साल की थीं, तब ही उन्हें और उनकी मां रिजवाना को छोड़कर उनके पिता जमाल घर से चले गए थे. इसके बाद वो कभी नहीं लौटे. ऐसे में उनकी और उनकी बड़ी बहन फराह नाज की परवरिश तब्बू की नानी ने की थी. क्योंकि तब्बू की मां टीचर थीं और वो नौकरी के चलते बेटियों को ज्यादा समय नहीं दे पाती थीं.

पिता से नफरत करती हैं तब्बू

मां को छोड़ने और उन्हें ना अपनाने के चलते तब्बू के दिल में पिता के प्रति प्यार नहीं सिर्फ और सिर्फ नफरत हैं. एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि उनके दिल में न ही पिता से जुड़ी कोई याद है और न ही उन्होंने कभी अपने पिता को देखा है. एक्ट्रेस ने ये भी कहा था कि न ही वो कभी अपने पिता से मिलना चाहती हैं और न ही उन्हें पिता की याद आती है. इतना ही नहीं एक्ट्रेस अपने पिता का सरनेम 'हाशमी' भी नहीं लगाती हैं.

जब अंबानी के इवेंट में छूटे करण जौहर के पसीने, घर लौटे तो फूट-फूट कर रोने लगे

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर करण जौहर का जीवन काफी उतार-चढ़ावों से भरा रहा है. करण जौहर ने कई बार अपने जीवन में मुश्किल दौर का सामना किया है. लेकिन सारी परेशानियों को पीछे छोड़कर वो आगे बढ़े और आज भारत के सबसे सफल फिल्ममेकर्स में से एक हैं. खैर आज हम आपको करण जौहर की जिंदगी का वो किस्सा बताने जा रहे हैं जब मुकेश अंबानी के इवेंट में शामिल होने के बाद वो घर आए थे और रोने लगे थे.करण जौहर 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' (NMACC) की लॉन्चिंग में शामिल हुए थे. इस इवेंट का हिस्सा और भी कई बॉलीवुड सेलेब्स बने थे. इवेंट में अभिनेता वरुण धवन भी पहुंचे थे. तब करण जौहर को एंग्जायटी अटैक पड़ा था. करण पसीने से तर बतर हो गए थे. तब उनकी मदद वरुण धवन ने की थी.

करण को आया था एंग्जायटी अटैक

करण जौहर ने ये खुलासा अपने शो 'कॉफी विद करण' के आठवे सीजन के दौरान किया था. दरअसल उनकी मेहमान एक एपिसोड में दीपिका पादुकोण बनी थीं. दीपिका अपने डिप्रेशन के दौर के बारे में कुछ बात कर रही थीं. तब ही करण ने भी खुद से जुड़ा बड़ा खुलासा किया. उन्होंने बताया कि (NMACC) की लॉन्चिंग के दौरान उन्हें एंग्जायटी अटैक आया था. उन्हें बहुत जयादा पसीना आने लगा था. करण को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें क्या हो रहा है. करण को ये भी लगा था कि कहीं उन्हें हार्ट अटैक तो नहीं आ रहा है. उनकी दिल की धड़कने तेज हो गई थीं.

वरुण धवन ने की थी मदद

करण जौहर ने बताया था कि पहले वरुण धवन उन्हें नोटिस करते रहे. लेकिन बाद में वरुण, करण के पास पहुंचे और उनसे पूछा कि क्या वो ठीक हैं? लेकिन करण की तबीयत ठीक नहीं थी. पसीना आने के अलावा उनके हाथ भी कांप रहे थे. इसके बाद करण को वरुण एक खाली कमरे में लेकर गए. करण को फिर थोड़ा ठीक लगा लेकिन जल्द ही वो घर के लिए निकल गए थे.

घर जाकर रोने लगे थे करण

खाली कमरे में जाने के बाद करण जौहर ने अपनी जैकेट निकाली. इसके बाद वो आधे घंटे के अंदर ही अपने घर चले गए थे.

लेकिन घर जाते से ही बेड पर जाने के बाद करण रोने लगे थे. अगले दिन उन्होंने अपने साइकोलॉजिस्ट से बात की थी. करण ने बताया था कि वो समय उनके लिए काफी मुश्किल था. करण ने भी कई बार अपने डिप्रेशन के फेज को लेकर बात की है.

'रेड कार्पेट पर वॉक करना कोई बड़ी बात नहीं...' Cannes 2025 पर जा नहीं पाईं

उर्फी जावेद

बोलीं- 'ये कोई भी कर सकता है'

एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर उर्फी जावेद को अपने अतरंगी फैशन के लिए जाना जाता है. उर्फी ना सिर्फ अपने अजीबोगरीब कपड़ों के लिए जानी जाती हैं, बल्कि वो अपनी बातों को भी बड़े ही बेबाक अंदाज से सबके सामने रखती हैं. इस वजह से कई बार वो मुसीबत में भी फंस जाती

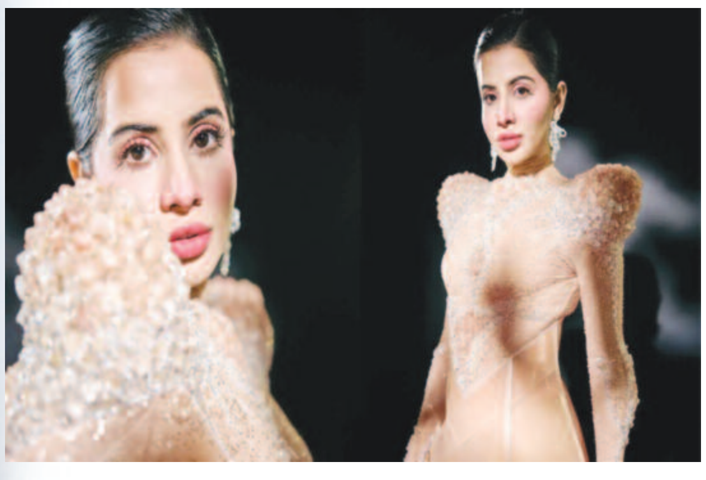

हैं.फ्रांस के कांस शहर में इस वक्त कांस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है. हमेशा की तरह ही कई सेलेब्स रेड कार्पेट पर वॉक करते दिखाई दे रहे हैं. वहीं हाल ही में उर्फी जावेद को भी कांस में जाना था, उनकी ड्रेस भी तैयार थी, लेकिन आखिरी वक्त में उनका वीजा रिजेक्ट हो गया. अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है.

रेड कार्पेट का टिकट खरीदते हैं ब्रैंड

सोशल मीडिया इंस्टाग्राम स्टोरी पर उर्फी ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा- कांस जाना एक ऐसा मौका है, जिसका आपकी काबिलियत से कोई लेना-देना नहीं है. बड़े-बड़े ब्रैंड्स रेड कार्पेट का टिकट खरीदते हैं, और उसे इंफ्लुएंसर्स और सेलेब्स को दिया जाता है, ताकि वे वहां जाकर ब्रैंड को रिप्रेजेन्ट कर सकें. कोई अपने लिए खुद भी टिकट खरीद सकता है, अगर पैसे हैं तो. कांस के रेड कार्पेट पर वॉक करना कोई बड़ी अचीवमेंट, मेरे लिए भी नहीं है.

खुद को प्रमोट करने का मौका है कांस

उर्फी ने आगे कहा- ये एक मौका है खुद को प्रमोट करने का, और यही सच्चाई है. जब तक आपकी फिल्म का वहां प्रेमियर नहीं हो रहा, जो वाकई एक बड़ी बात है, तब तक कोई भी वहां जा सकता है और रेड कार्पेट का टिकेट ले सकता है, अगर आपके पास पैसे हैं या फिर कोई ब्रैंड आपके साथ कोलैब करना चाहता है. उर्फी ने बीते दिनों एक पोस्ट करके ये बात बताई थी, कि कांस के लिए वो जा रही थीं, लेकिन ऐन वक्त पर उनका वीजा कैंसिल हो गया, जिसके वजह से वो कांस नहीं जा पाईं.